हरिभूमि
रायपुर भूमि

गर्मी से राहत...

रायपुर। गर्मी में बढ़ते तापमान से राहत पाने लोग नदी-तालाबों का रुख करते दिखते हैं। खारुन नदी में एनीकट पर आमतौर पर लोग नहाने के लिए तो पहुंचते ही हैं, पर इन दिनों यहां ज्यादा ही भीड़ नजर आ रही है। एनीकट पर पिकनिक जैसा माहौल दिखाई पड़ता है और यहां बच्चे, युवा, अधेड़ पानी में छलांग लगाकर मस्ती करते हैं। वीकएंड पर शनिवार-रविवार को यहां भ्रमण के लिए बड़ी संख्या में शहरवासी पहुंच रहे हैं।

खबर संक्षेप

पत्नी ने किया सुसाइड, पति परिजन के खिलाफ केस दर्ज

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक महिला के खुदकुशी करने के प्रकरण में पुलिस ने मृतका के परिजनों की शिकायत पर उसके पति तथा अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। यास्मीन परवीन शुक्रवार को फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। यास्मीन के परिजनों ने मृतका के पति ईशरात खान सहित अन्य परिजन इरफान, समा, परवीन तथा रजा के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। यास्मीन का ईशरात के साथ वर्ष 2020 में निकाह हुआ था।

मोबाइल चोरी कर यूपीआई से एक लाख किए आहरित

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक युवक ने अज्ञात के खिलाफ मोबाइल चोरी कर एक लाख रुपए यूपीआई से आहरण करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। छत्तीसगढ़ नगर निवासी संदीप कुमार गुप्ता ने मोबाइल चोरी तथा रुपए आहरण करने की शिकायत दर्ज कराई है।

मिडिल ईस्ट देशों में जाने वाले सौ फीसदी यात्रियों का प्रोग्राम कैंसिल

युद्ध ने रोके पर्यटकों के पैर, अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों से यात्रियों ने मुंह फेरा, ट्रैवल्स में 25 करोड़ का घाटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

अमेरिका और खाड़ी देशों के बीच चल रहे युद्ध की तपिश से छत्तीसगढ़ का ट्रैवल्स कारोबार भी खासा प्रभावित हुआ है। छत्तीसगढ़ से दूर देशों की यात्रा करने वाले यात्रियों ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हवाई सफर से मुंह फेर लिया है। समर शेड्यूल में मिडिल ईस्ट के देशों की यात्रा करने वाले सौ फीसदी तथा यूरोपीय देशों में जाने वाले पचास फीसदी यात्रियों ने यात्रा से तौबा की है। अनुमान के मुताबिक, करीब डेढ़ महीने से जारी युद्ध की वजह से 25 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है।

ट्रैवल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों की मानें तो छत्तीसगढ़ से काफी संख्या में यात्री दूसरे देशों की यात्रा करते हैं। खासकर गर्मी की छुट्टियों में घूमने-फिरने जाने वालों की वजह से इंटरनेशनल स्तर के यात्रियों की संख्या दोगुनी हो जाती है। छुट्टियां शुरू होने से पहले ज्यादातर पैकेज के हिसाब से अपने टिकट बुक कराते हैं। इस बार युद्ध की आंच से इंटरनेशल टूर पैकेज की बुकिंग बंद जैसी हो गई है। इतना ही नहीं, जिन्होंने काफी समय पहले अपना टिकट बुक कराया था, वे भी सुरक्षागत कारणों को ध्यान रखते हुए अपनी टिकट कैंसिल करा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के काफी लोग जॉब सहित अन्य वजहों से विभिन्न देशों में निवास करते है। समय-समय पर उनका और परिवार का आना-जाना लगा रहता है, जिसकी वजह से छत्तीसगढ़ से काफी संख्या में इंटरनेशनल टिकट बुक होते हैं। अब युद्ध की वजह इन परिवारों ने भी अपनी यात्रा स्थगित कर रखी है। गर्मी के सीजन में छुट्टियां बिताने के लिए यूरोपीय देशों की ओर जाने वाली फ्लाइट का रूट में दुबई, दोहा, इस्तांबुल जैसे देशों से होकर गुजरता है। सुरक्षा के लिहाज से इन फ्लाइट में सफर करने से यात्री परहेज कर रहे हैं। मिडिल ईस्ट के कई देश युद्ध में शामिल हैं, इसलिए वहां की यात्रा से तौबा ही कर ली गई है। इसका सीधा असर इंटरनेशल फ्लाइट का संचालन करने वाली विमानन कंपनियों के साथ एयर टिकट बुक करने वाले ट्रैवल्स कारोबारियों के कारोबार पर हुआ है।

टिकट कैंसिल, पूरा रिफंड भी

युद्ध की वजह से इंटरनेशनल फ्लाइट में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या घटी है। गर्मी के दिनों में काफी संख्या में लोग छुट्टियां बिताने विदेश जाते है। टिकट बुकिंग प्रभावित होने के साथ कैंसिलेशन भी हो रहा है। विमानन कंपनियां इसके लिए पूरा रिफंड दे रही हैं।

- **कीर्ति व्यास,** संचालक, व्यास हॉलीडेज, संरक्षक ट्रैवल्स एसोसिएशन

नई बुकिंग कम, कैंसिल भी हो रही

सामान्य दिनों में दूसरे देशों के टिकट की बुकिंग काफी संख्या में होती रही है। अभी इनकी संख्या काफी कम हो चुकी है, युद्ध के कारण लोग टिकट भी कैंसिल करा रहे है। छुट्टियों में राज्य के भीतर ठंडे प्रदेशों के पर्यटन स्थलों को इस बार बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

- **रमन जादवानी,** संचालक अजय ट्रैवल्स, पूर्व चेयरमैन टाफी

घरेलू पर्यटन को बढ़ावा

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें बाधित होने की वजह से इस बार गर्मी के छुट्टियों में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लंबे सफर में नहीं जा पाने वाले परिवार छुट्टियों में अपने सैर-सपाटे के लिए गोवा, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश जैसे ठंडे क्षेत्रों को शामिल कर सकते हैं। कारोबारियों का कहना है कि इस बार देश के भीतर के ठंडे राज्यों के लिए आने वाले दिनों में टिकट बुकिंग होने की संभावना अधिक है।

इंटरनेशनल फ्लाइट नहीं

रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करने की योजना अभी कार्यरूप में नहीं आ पाई है। यहां के यात्रियों को दूसरे देश की यात्रा करने के लिए दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद जैसे शहरों के एयरपोर्ट का सहारा लेना पड़ता है। रायपुर से बैंकाक और सिंगापुर के लिए फ्लाइट शुरू कराने की घोषणा की गाई थी, मगर किसी विमानन कंपनी द्वारा इसकी स्वीकृति नहीं दी गई है।

पीकर चलाएंगे...पकड़े जाएंगे, ड्रंक एंड ड्राइव कार्रवाई से घबराकर लोग कर रहे अब कैब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वीक एंड तथा संडे की शाम को शराब के नशे में डूबने वाले सामान्य से लेकर रसूखदार लोगों के खिलाफ पुलिस हर शनिवार तथा रविवार को शहर के प्रमुख स्थानों पर गश्त पाइंट लगाकर वाहन चालकों की ब्रेथ एनॉलॉइजर से जांच कर रही है। जांच में जो नशे की हालत में गाड़ी चलाए पाए जाते हैं, उनकी गाड़ी जब्ती की कार्रवाई कर चालान कोर्ट भेजा रहा है। पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई से कार मालिक अब पार्टी करने जाने अलग से कार ड्राइव करने ड्राइवर हायर कर रहे हैं। साथ ही जो नशे की हालत में कार, बाइक चलाते पकड़े जा रहे हैं, वे अपने बचाव में कई तरह की बहानेबाजी करने के साथ अपने रसूख की धौंस दिखा रहे हैं। ट्रैफिक तथा थानों की पुलिस ने शनिवार को ⏭शेष पेज 13 पर

- ट्रैवल्स एजेंसी के संचालक महानगरों की तर्ज पर ड्राइवर एप बनाने कर रहे विचार

ड्राइवर एप लांच करने की तैयारी

पुलिस की लगातार कार्रवाई को देखते हुए कई ट्रैवल्स एजेंसी के संचालक महानगरों की तर्ज पर घंटे, दो घंटे के लिए कार चलाने ड्राइवर उपलब्ध कराने ड्राइवर एप लांच करने की तैयारी कर रहे हैं। एप के माध्यम से कार मालिक अपने कार का नंबर तथा जहां वह पार्टी करने गया है, उसके पते के साथ घर का एड्रेस, कार नंबर डाल ड्राइवर हासिल कर सकता है। एक घंटे के पांच सौ रुपए तथा उसके बाद के घंटे के लिए अलग से 50-50 रुपए चार्ज किए जा सकते हैं।

कार्रवाई से बचने इस तरह के भी उपाय

शनिवार तथा रविवार को ड्रंक एंड ड्राइव की कार्रवाई के बारे में ज्यादातर लोगों को जानकारी मिल गई है। ऐसे में शनिवार तथा रविवार को पब, क्लब तथा होटल में शराब पीने के शौकीन पहले पता लगाते हैं कि किन-किन स्थानों में पुलिस की गश्त लगी है। इसके बाद वे पुलिस को कैसे चकमा देकर निकलना है, इसके लिए रास्ते की तलाश करते हैं। कई रात 3 बजे तक अपने संबंधित जगह में रुके रहते हैं।

पुलिस पर लगाते हैं कई तरह के आरोप

कार, बाइक जब्ती करने के दौरान मौके पर उपस्थित पुलिस अफसर के साथ जवान बॉडीवार्न कैमरे से सब रिकार्ड करते हैं। ऐसे ही एक प्रकरण में पिछले सप्ताह एडीसीपी विवेक शुक्ला ने वीआईपी रोड में एक कार को रोका। कार में चार लोग सवार थे। सभी नशे में धुत थे। कार जब्त करने की कार्रवाई की गई तो पहले तो कार सवार लड़कों ने पुलिस से उलझने की कोशिश की। इसके बाद थाने ले जाने कार सवार एक लड़के ने पुलिस पर कार में रखे उसके नकदी सात लाख रुपए गायब करने का आरोप लगाया। लड़कों से अलग-अलग पूछताछ करने पर उन लड़कों ने बताया कि कार्रवाई से बचने पुलिस पर उसके साथी ने झूठे आरोप लगाए थे।

पकड़े जाने पर करते हैं कई तरह के बहाने

देर रात ड्रंक एंड ड्राइव कर गाड़ी चलाते पकड़े जाने पर वाहन चालक कई तरह के बहाने करते हैं। कोई कहता है कि गाड़ी जब्त कर लेंगे तो इतनी रात को घर कैसे जाएंगे? साथ ही दूसरे दिन ऑफिस जाने, काम पर जाने का बहाना कर गाड़ी छोड़ने के लिए गिड़गिड़ाते हैं। रसूखदार, राजनीतिक पहुंच वाले अपनी पहुंच का धौंस दिखाते हुए कार्रवाई से बचने की कोशिश करते हैं।

पहला सवाल- मेरी गाड़ी की चाबी कैसे निकाली

जो अपने आपको ऊंची पहुंच वाले समझते हैं, ऐसे लोग ड्रंक एंड ड्राइव कर गाड़ी चलाते पकड़े जाते हैं तो उनकी गाड़ी की चाबी निकालते वक्त का रिएक्शन अलग अंदाज में रहता है। ऐसे लोग मौके पर उपस्थित पुलिस या ट्रैफिक जवानों से भिड़ते हुए कहते हैं, तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मेरी कार की चाबी निकालने की। इसके बाद अपनी ऊंची पहुंच वाले राजनीतिज्ञ या अफसर को कॉल कर बचने की कोशिश करते हुए मौके पर उपस्थित अफसर से बात कराकर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।

गुढ़ियारी तथा मुजगहन थाना क्षेत्र के दो पेट्रोल पंप से नकदी रकम पार

पेट्रोल पंप कर्मियों से दोस्ती कर उड़ा लेता था रकम 10 चोरियों के बाद राजधानी में किया हाथ साफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पेट्रोल पंप की रेकी के बाद पंप कर्मियों से दोस्ती कर रुपए चोरी करने वाला एक शातिर चोर ने रायपुर के गुढ़ियारी तथा मुजगहन थाना क्षेत्र के दो पेट्रोल पंप से एक लाख रुपए से ज्यादा रकम उड़ा ली और फरार हो गया। शातिर ने रायपुर के साथ जांजगीर-चांपा, दुर्ग भिलाई, राजनांदगांव, बेमेतरा, छुईखड़ान के पेट्रोल पंप कर्मियों के साथ पहचान बनाकर चोरी की है। फूटेज के आधार पर पुलिस तथा क्राइम ब्रांच की टीम पतासाजी करने में जुटी हुई है। शातिर ने गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के गोगांव रोड स्थित बालाजी पेट्रोल पंप तथा मुजगहन थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप से नकदी रकम चोरी की है। शातिर पेट्रोल पंप में चोरी करने पहले किसी एक पंप कर्मी को अपने विश्वास में ⏭शेष पेज 13 पर

- शातिर चोर की पतासाजी में जुटी पुलिस

आउटर के सूने पंप को बनाता था निशाना

पुलिस के मुताबिक, शातिर आउटर के पेट्रोल पंप को निशाना बनाता था। साथ ही पेट्रोल पंप में चोरी करने जाने एक निश्चित समय निर्धारित कर वह चोरी करने के लिए पहुंचता था। शातिर पंप से कैश लेकर यूपीआई से पेमेंट करने का झांसा देकर रुपए लेकर रफूचक्कर हो जाता था। पुलिस के अनुसार गोगांव के पैटर्न पर ही शातिर ने मुजगहन के पेट्रोल पंप में भी चोरी की है।

रायपुर में ऐसे की चोरी

गोगांव के पेट्रोल पंप का शातिर ने पहले रैकी की। इसके बाद पंप के मैनेजर राहुल के साथ दोस्ती की। उसके साथ उठना-बैठना शुरू किया। राहुल के पंप आने की टाइमिंग के बारे में जानकारी हासिल करने के बाद शातिर राहुल के पंप आने के कुछ घंटे पहले पेट्रोल पंप पहुंचा। वहां उसने पंप कर्मियों को राहुल से मिलने आने की बात कही। पंप कर्मियों ने मिलने का कारण पूछा तो शातिर ने कर्मियों को राहुल से पैसे लेने का झांसा दिया। साथ ही शातिर पंप के अंदर बने केबिन में जाकर बैठ गया। कर्मी पंप से पेट्रोल डालने में व्यस्त थे। इस दौरान शातिर ने नोटों से भरा बैग चोरी किया और फरार हो गया।

भाजपा का आज स्थापना दिवस, कल से गांव चलो अभियान, सीएम, सभी मंत्री भी जाएंगे गांवों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा का सोमवार को स्थापना दिवस है। इस अवसर पर प्रदेश भर में कार्यक्रम रखे गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के कार्यक्रम में शामिल होंगे। अलग-अलग जिलों में प्रदेश के मंत्री, भाजपा नेता शामिल होंगे। दूसरे दिन मंगलवार से भाजपा का गांव चलो अभियान प्रारंभ होगा। यह 12 अप्रैल तक चलेगा।

खास खबर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित सभी मंत्री, विधायक, सांसदों के साथ प्रदेश भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता गांव चलो अभियान में गांव-गांव तक जाएंगे और वहां पर ग्रामीणों के साथ संवाद करेंगे। इसी के साथ जिलों में सक्रिय कार्यकर्ताओं के सम्मेलन होंगे। मंडल और बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम होंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी यशवंत जैन ने बताया, स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पार्टी कार्यालयों और घरों में 5 से 7 तक अप्रैल को दीपोत्सव किया जाएगा।

प्रदेश एवं सभी जिला कार्यालयों में विशेष सजावट की जाएगी। 6 अप्रैल को सभी कार्यालयों में विधिवत ध्वजारोहण होगा। श्री जैन ने बताया 6 और 7 अप्रैल को बूथ पर प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्य एकत्रित होकर स्थापना दिवस मनाएंगे। 8 और 9 अप्रैल को जिला सम्मेलन होंगे। इस सम्मेलन में संगठनात्मक विस्तार और भाजपा की विकास यात्रा व चुनावी सफलताओं की रणनीति पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री साय स्थापना दिवस पर आज ठाकरे परिसर के कार्यक्रम में होंगे शामिल

हर विस के 50 गांवों तक जाएंगे नेता

गांव चलो अभियान में मुख्यमंत्री से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं को भी गांवों तक जाना हैं। गांव में चौपाल लगाकर वहां पर ग्रामीण से संवाद करना है। ग्रामीणों से उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछा जाएगा। उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा। इसी के साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में भी बात की जाएगी कि उनको इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री, प्रदेश के मंत्री, विधायक और सांसद अपने-अपने क्षेत्र के ही किसी गांव में जाएंगे। इसी के साथ प्रदेश भाजपा संगठन के पदाधिकारी, जिलों के पदाधिकारी, मोर्चा और प्रकोष्ठ के भी पदाधिकारी इस अभियान में शामिल होंगे। हर विधानसभा में 50 गांवों का चयन किया जाएगा। इससे ज्यादा गांव भी किसी विधानसभा में हो सकते हैं। इन चयनित गांवों तक ही प्रदेश के नेता जाएंगे और वहां पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसी के साथ गांवों में भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की जाएगी।

खबर संक्षेप

अग्र मंथन-2026 में समाज की चुनौतियों पर मंथन

रायपुर। अग्रसेन धाम में आयोजित 'अग्र मंथन-2026' कार्यक्रम में समाज की वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की रूपरेखा पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों, समाजसेवियों और नागरिकों ने भाग लिया और समाज सशक्तिकरण के विविध तरीकों पर अपनी राय साझा की। मुख्य वक्ता सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति हमारे संस्कार, सेवाभाव और एकजुटता में निहित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल शिक्षा ही पर्याप्त नहीं है, बच्चों में संस्कार और सेवा भाव का विकास भी आवश्यक है। संस्कारित और संगठित परिवार समाज की मजबूत नींव रखते हैं, जो आने वाले समय में सामाजिक मजबूती सुनिश्चित करते हैं। सहभागियों ने समाज में सहयोग, नैतिक मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना था। इस अवसर पर चर्चा हुई कि केवल व्यक्तिगत विकास ही नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भाव को भी बढ़ावा देना आज के समय की प्रमुख आवश्यकता है।

प्रदेश के डाक संभागों में रिस्ट्रक्चरिंग, वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति

रायपुर। केंद्रीय संचार (डाक) विभाग ने जनवरी 2026 में छत्तीसगढ़ परिमंडल के दो डाक संभागों का पुनर्संरचना की घोषणा की। इसके तहत बिलासपुर डाक संभाग को क्लास 1 और दुर्ग डाक संभाग को क्लास 2 श्रेणी में शामिल किया गया। बिलासपुर संभाग में बीएल जांगड़े को वरिष्ठ डाक अधीक्षक (एसएसपी) के रूप में पदस्थ किया गया है। वे इससे पहले दुर्ग संभाग में कार्यरत थे। जानकारों के अनुसार, यह बिलासपुर डाक संभाग की 40-45 वर्षों में पहली प्रोन्नति है। 1980 के दशक में गठित इस संभाग में अब तक केवल क्लास 2 अधिकारी पदस्थ थे। अब क्लास 1 होने के बाद यहां आईपीएस या डाक सेवा के वरिष्ठतम अधिकारी तैनात किए जाएंगे। Also Read - अंतरराज्यीय चोर शेट्टी गैंग का पर्दाफाश, राजनांदगांव में 5 लाख के जेवरात बरामद दुर्ग संभाग को क्लास 1 से डाउनग्रेड कर क्लास 2 किया गया है।

चाकू लेकर घूमते धरा गया बदमाश

रायपुर। असामाजिक तत्वों एवं अपराधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पण्डरी पुलिस ने सूचना के आधार पर अवैध रूप से धारदार चाकू लेकर घूम रहे बदमाश को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार जब्त किया। पुलिस टीम द्वारा वृंदावन गार्डन के पास दलदल सिवनी में आरोपी को अवैध रूप से धारदार चाकू लेकर घूमते जगन्नाथ पारा पंडरी निवासी सोनू यादव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 नग धारदार चाकू जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

दो हजार संपत्तियों पर किराएदार काबिज, पर नहीं दे रहे किराया

वक्फ की 5000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जा थोक में नोटिस, सीबीआई को जाएगा मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने फैसला किया है कि अब पूरे प्रदेश की वक्फ की संपत्तियों को लेकर सीबीआई जांच का प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। पहले महज रायपुर जिले की 500 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे की जांच का प्रस्ताव भेजने का फैसला किया गया था, लेकिन अब फैसला बदल दिया गया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज के मुताबिक प्रदेश भर में वक्फ की 5723 संपत्तियों पर अवैध कब्जा है। इन संपत्तियों की कीमत पांच हजार करोड़ है। इसमें से करीब दो हजार संपत्तियां ऐसी हैं जिन पर किराएदार काबिज हैं, लेकिन किराया नहीं दे रहे हैं। किराए से ही सालाना दो सौ करोड़ मिल सकते हैं, लेकिन इस समय महज पांच लाख मिल रहे हैं। वक्फ के संशोधित कानून के बाद अपने प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड ने बीते साल से एक्शन प्रारंभ किया है।

हरिभूमि फॉलोअप

प्रदेश भर में वक्फ की संपत्तियों की जांच करके देखा गया है कि कहां पर कौन काबिज है। पूरे प्रदेश में वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा करने की जानकारी सामने आई है। बहुत ही संपत्तियों को फर्जी तरीके से बेचे जाने की भी जानकारी मिली है। वक्फ की संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराने के लिए लगातार कब्जाधारियों को वक्फ बोर्ड द्वारा नोटिस दिया जा रहा है। वक्फ अध्यक्ष डा. सलीम राज का कहना किसी भी हाल में वक्फ की संपत्ति पर किसी को कब्जा करने नहीं दिया जाएगा। वक्फ की एक-एक जमीन को कब्जा मुक्त कराएंगे। जो भी लोग संपत्ति वक्फ की न होने का दावा कर रहे हैं, वो गलत है। हमने सारे दस्तावेज देखने के बाद ही नोटिस जारी किए हैं।

वक्फ के संशोधित कानून के बाद अपने प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड ने बीते साल से एक्शन प्रारंभ किया

बन रहा है सीबीआई जांच के लिए प्रस्ताव

बोर्ड ने पहले रायपुर जिले की 500 करोड़ की संपत्ति की सीबीआई जांच कराने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का काम प्रारंभ किया था, लेकिन अब पूरे प्रदेश भर की संपत्ति को लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। डा. सलीम राज का कहना है कि 5723 संपत्तियों को लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन सभी संपत्तियों की जांच कराने का प्रदेश सरकार के पास प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। प्रदेश सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव जाएगा। इसके बाद सीबीआई जांच प्रारंभ होगी।

सलीम राज ने कहा- किया है फर्जीवाड़ा

इस मामले में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कहना है, रायपुर के दुकानदारों के साथ ही प्रदेश भर से जिनके भी जवाब आए हैं, उन जवाबों से बोर्ड संतुष्ट नहीं है। फर्जीवाड़ा करके जमीन पर कब्जा किया गया है। उन्होंने बताया, जो खुद किराएदार रहे हैं वो भला कैसे किसी को जमीन बेच सकते हैं। पूरी तरह से फर्जीवाड़ा करके वक्फ की संपत्ति को बेचने का काम किया गया है। उन्होंने कहा, प्रदेश में जहां-जहां भी वक्फ की जमीन पर कब्जा है, उसको मुक्त कराया जाएगा।

आरडीए के आवासीय भूखंडों को व्यावसायिक करने पर भारी जुर्माने का कड़ा विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष शिव सिंह ठाकुर ने विगत दिनों आरडीए संचालक मंडल द्वारा आवासीय भूखंड को व्यावसायिक उपयोग पर भारी जुर्माना लगाने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। आरडीए द्वारा इस तरह से तुगलकी निर्णय वहां के रहवासियों और आम जनता को आर्थिक तथा मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि आरडीए का गठन न लाभ और न ही हानि के जनहितकारी कार्यों के लिए किया गया था, जो अब अपने मूल उद्देश्यों से भटक गया है। वह जनता के जेब पर डाका डालने पर आमादा हो गया है। राजधानी के सुनियोजित विकास में गंभीर खतरा हो सकता है। जब नियमों के विरुद्ध निर्माण कार्य किया जा रहा था, तब आरडीए प्रशासन द्वारा कार्यवाही क्यों नहीं की गई। अब भारी-भरकम जुर्माना लगाकर अवैध निर्माण को वैध करने नियमों का उल्लंघन कर ऊलजुलूल आदेश किए जा रहे हैं। पूर्व आरडीए उपाध्यक्ष ने आगे कहा है कि जब आरडीए के भूखंडों को फ्री-होल्ड कर मालिकाना हक दे दिया जाता है। अब उन्हें फिर से आरडीए का चक्कर लगाना पड़ेगा और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा।

■ अपने मूल उद्देश्यों से भटक गया है आरडीए : ठाकुर

पूर्व विधायक के निधन पर सीएम ने जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ समाजसेवी जगेश्वर राम भगत के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री साय ने कहा कि स्व. भगत का जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान, सेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए पूर्णतः समर्पित रहा। वे वनवासी कल्याण आश्रम के समर्पित कार्यकर्ता थे। उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन में सदैव जनहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया।

सरकारी भुगतान प्रणाली में बड़ा बदलाव, अब डिजिटल सिग्नेचर से पास होंगे बिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

■ छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता में बड़ा बदलाव

छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग ने राज्य की वित्तीय कार्यप्रणाली को पूरी तरह आधुनिक और डिजिटल बनाने के लिए ''छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता'' में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। अब सरकारी देयकों (बिल) की तैयारी और भुगतान की प्रक्रिया में मैन्युअल हस्ताक्षरों के स्थान पर डिजिटल तकनीक को प्राथमिकता दी जाएगी। अब हर बिल डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। अब से पहले हाथ से लिए साइन से बिल पास हुआ करते थे।

नए नियमों के अनुसार, जहां भी देयकों को तैयार करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, वहां उन देयकों को डिजिटली हस्ताक्षरित करना अनिवार्य होगा। विशेष रूप से, आहरण एवं संवितरण अधिकारी के स्थानांतरण की स्थिति में अब नई व्यवस्था लागू की गई है, अब कार्यमुक्त करने वाले अधिकारी के स्थान पर नए अधिकारी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र ऑनलाइन अपडेट होने के बाद ही बिलों पर डिजिटल हस्ताक्षर किए जा सकेंगे। इस प्रक्रिया में वरिष्ठ आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर को सत्यापित कर कोषालय अधिकारी को भेजा जाएगा, जो स्थानांतरण आदेश और पदभार ग्रहण रिपोर्ट की जांच के बाद ही संव्यवहार की अनुमति देंगे।

ऑनलाइन बिलों में डिजिटल हस्ताक्षर होंगे सत्यापित

नियम में साफ किया गया है कि ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए देयकों को डिजिटल हस्ताक्षर की प्रमाणिकता के सम्यक सत्यापन के बाद ही तैयार और पारित किया जाएगा । यदि भुगतान महालेखाकार कार्यालय से जारी प्राधिकार पत्र के आधार पर होना है, तो कोषालय अधिकारी हस्ताक्षरों का मिलान अपनी व्यक्तिगत अभिरक्षा में रखी ''गार्ड फाइल'' में मौजूद आदर्श नमूना हस्ताक्षरों से करेंगे। इसके अतिरिक्त, स्थानांतरित शासकीय सेवकों के वेतन और भत्तों के अवशेष (एरियर्स) के लिए अब नवीन स्थापना के आहरण एवं संवितरण अधिकारी ही बिल तैयार कर कोषालय में प्रस्तुत करेंगे, बशर्ते पिछली स्थापना से ''अनाहरण प्रमाण पत्र'' प्राप्त कर लिया गया हो।

अब इस तरह जनरेट होंगे बिल

डिजिटल पारदर्शिता को और मजबूत करते हुए अब ''बिल ट्रांजिट रजिस्टर'' का क्रमांक ऑनलाइन जनरेट किया जाएगा, जिसकी एक हार्ड कॉपी कार्यालयीन रिकॉर्ड में रखना अनिवार्य होगा। वहीं, व्यक्तिगत निक्षेप खातों के मामले में अब चेक के साथ-साथ ऑनलाइन ई-चेक के माध्यम से भी भुगतान की वापसी की जा सकेगी। नियमों में यह भी साफ किया गया है कि जो कार्यालय कोषालय से सीधे आहरण के लिए अधिकृत नहीं हैं, वे संबंधित विभाग के डीडीओ के माध्यम से अपनी जमा राशि निकाल सकेंगे, लेकिन किसी भी स्थिति में खाते में जमा राशि से अधिक के आहरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिला अस्पताल में महिला को मिला नया जीवन

रायपुर। सुकमा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा की तत्परता और आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। सिविल सर्जन डॉ. एमआर कश्यप ने बताया कि छिंदगढ़ विकासखंड के कुन्ना निवासी 38 वर्षीय पाली कवासी को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल सुकमा में भर्ती कराया गया। देरी से अस्पताल पहुंचने के कारण स्थिति अत्यंत जोखिमपूर्ण थी और तत्काल सर्जरी आवश्यक हो गई। अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुजा ने बिना समय गंवाए तुरंत एलएससीएस ऑपरेशन कर मरीज का उपचार प्रारंभ किया। हालांकि ऑपरेशन के दौरान मृत बच्चा पैदा होने से महिला की स्थिति और अधिक जटिल हो गई। महिला की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान महिला का श्वास बंद सा हो गया, साथ ही नाड़ी और हृदय की धड़कन भी थम सी गई। ऐसे संकट की घड़ी में जिला अस्पताल की मेडिकल टीम ने त्वरित निर्णय लेते हुए महिला को दो बार सीपीआर दिया और तत्काल वार्ड में शिफ्ट कर आधुनिक वेंटीलेटर की सहायता से उपचार शुरू किया गया। इसके बाद महिला को दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया।

मंडल से सालभर में 2.66 करोड़ ने किया सफर 1.97 लाख बेटिकट रेलवे ने वसूले 11.13 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेनों में बिना टिकट सफर करने यात्रियों की धरपकड़ का कार्य रेलवे प्रशासन ने तेज कर दिया है। अब एक्सप्रेस के जनरल में भले ही पैर रखने की जगह न हो, लेकिन अब टीटीई यात्रियों की टिकट जांच करने पहुंचने लगे हैं। यही वजह है कि रायपुर रेलमंडल की वित्तीय वर्ष 2025-26 का राजस्व बीते अन्य वर्षों से अधिक है। रेलवे द्वारा चलाए गए सघन टिकट चेकिंग अभियानों का असर यह रहा कि इस मद से प्राप्त आय ने मंडल की पार्सल, पार्किंग और खानपान जैसी प्रमुख वाणिज्यिक सेवाओं से होने वाली आय को भी काफी पीछे छोड़ दिया है।

रायपुर मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिना टिकट और अनियमित यात्रा के कुल 1 लाख 97 हजार 873 मामले दर्ज किए गए। इन यात्रियों से जुर्माने और किराये के रूप में रेलवे ने कुल 11.13 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त किया। रेलवे ने जहां पार्सल परिवहन से पूरे वर्ष में 7.44 करोड़ रुपए कमाए, वहीं टिकट चेकिंग से प्राप्त आय इससे 3.69 करोड़ रुपए अधिक रही। मंडल ने अपने पार्किंग आय लक्ष्य को पार करते हुए 3.44 करोड़ रुपए कमाए, लेकिन टिकट चेकिंग से होने वाली 11.13 करोड़ की कमाई इसके मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा है। स्टेशनों और ट्रेनों में खानपान से रेलवे को 3.22 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो टिकट चेकिंग से हुई कमाई के सामने काफी कम है।

हर महीने औसतन 16 हजार से अधिक कार्रवाई

ट्रेनों में बिना टिकट के 1 लाख 97 हजार 873 मामलों में सर्वाधिक एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करने वाले यात्री रहे। इसके बाद लोकल ट्रेन है। बता दें कि ज्यादातर कार्रवाई ट्रेन में जांच के दौरान ही हुई है। जांच को तेज करने रेलवे ट्रेन में लगातार अभियान में तेजी लाई है। रायपुर मंडल में हर महीने औसतन लगभग 16,489 बिना टिकट या अनियमित यात्रियों पर कार्रवाई की गई है। अगर हर दिन का औसत निकालें तो रेलवे ने हर दिन औसतन लगभग 542 लोगों पर कार्रवाई की है।

एक साल में 2 करोड़ 66 लाख यात्रियों ने किया सफर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान यात्री यातायात में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। एक ओर जहां मंडल ने 26.6 मिलियन (2 करोड़ 66 लाख) यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया, वहीं दूसरी ओर बिना टिकट यात्रा करने वालों पर की गई सख्त कार्रवाई के चलते रेलवे के खजाने में करोड़ों रुपए का राजस्व भी जमा हुआ है। रेलवे की इस दोहरी रणनीति से यात्री आय और टिकट बिक्री दोनों में इजाफा हुआ है। विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में रायपुर मंडल से 26.6 मिलियन यात्रियों ने वैध टिकट के साथ सफर किया। इससे रेलवे को 631.35 करोड़ रुपए का शुद्ध यात्री राजस्व प्राप्त हुआ। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, इस वर्ष यात्रियों की संख्या में 7.30 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। इसी प्रकार यात्री राजस्व में भी पिछले वर्ष की तुलना में 3.85 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

माल ढुलाई से रायपुर मंडल ने कमाए 4983 करोड़ रुपए

रायपुर रेल मंडल का वित्तीय वर्ष 2025 -2026 पिछले वर्ष से बेहतर रहा। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने बताया, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संपूर्ण भारतीय रेलवे के साथ ही साथ रायपुर मंडल में आधारभूत संरचना, माल लदान, यात्री परिवहन एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान नई लाइनों का निर्माण, चौथी लाइन कार्य में प्रगति, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में प्रगति, यात्री सुविधाओं के विकास का बेहतर क्रियान्वयन तथा प्रमुख स्टेशनों में नई-नई यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई। माल लदान के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए गए। इसी संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने मंडल सभाकक्ष में प्रेसवार्ता कर परिचर्चा की। मंडल की प्रमुख महत्वपूर्ण उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं एवं विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी भी उपस्थित रहे। **नए अवसर बनाने में सफल रहा मंडल:** वित्तीय वर्ष 2025–26 में रायपुर मंडल ने राजस्व, संरक्षा, तकनीकी नवाचार एवं यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय रेल में एक आदर्श मंडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

राजधानी में शिक्षक संघ की प्रांतीय महासभा, प्रदेशभर से शिक्षक हुए शामिल

शिक्षक संघ ने कहा- 65 वर्ष हो शिक्षकों की सेवा अवधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन द्वारा रायपुर में प्रांतीय महासभा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर उत्तर विधानसभा के माननीय विधायक पुरंदर मिश्रा जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने की।

इस महासभा में प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों और शिक्षकों ने प्रथम नियुक्ति से पेंशन की एक सूत्रीय मांग की। मुख्य अतिथि पुरंदर मिश्रा ने आश्वस्त किया कि वे पेंशन संबंधी इन मांगों को सरकार तक पहुंचाएंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने मुख्य अतिथि को मांग पत्र सौंपते हुए सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों की जीरो पेंशन व्यवस्था की व्यथा साझा की। महासभा में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, प्रदेश उपाध्यक्ष देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, प्रवीण श्रीवास्तव, शैलेन्द्र यदु, कोमल वैष्णव, मुकेश मुदलियार, प्रदेश सचिव मनोज सनाढ्य, प्रदेश कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र परिक सहित बड़ी संख्या में प्रदेश व जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ और आईटी सेल के सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजित हो विभागीय टेट

मांग पत्र में प्रथम नियुक्ति से गणना और 20 वर्ष में पूर्ण पेंशन जैसी मांगों को शामिल किया गया है। शिक्षक संघ ने मांग करते हुए कहा, पूर्व सेवा अवधि को पेंशन योग्य सेवा मानते हुए प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन की गणना की जाए। शिक्षकों की सेवा अवधि 65 वर्ष तक किए जाने, प्रदेश भर के शिक्षकों को क्रमोन्नति-समयमान वेतनमान प्रदान करने, प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधान पाठक मिडिल स्कूल, शिक्षक, प्रधान पाठक प्राथमिक स्कूल के पदों पर पदोन्नति करने, विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने, विभागीय डीएड व बीएड परीक्षा की व्यवस्था करने की मांगों पर कार्ययोजना बनाते हुए विशेष मंथन प्रदेश भर के प्रांतीय पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी व संकुल पदाधिकारी ने की।

भाजपा का आज स्थापना दिवस, कल से गांव चलो अभियान, सीएम, सभी मंत्री भी जाएंगे गांवों में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा का सोमवार को स्थापना दिवस है। इस अवसर पर प्रदेश भर में कार्यक्रम रखे गए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के कार्यक्रम में शामिल होंगे। अलग-अलग जिलों में प्रदेश के मंत्री, भाजपा नेता शामिल होंगे। दूसरे दिन मंगलवार से भाजपा का गांव चलो अभियान प्रारंभ होगा। यह 12 अप्रैल तक चलेगा।

खास खबर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित सभी मंत्री, विधायक, सांसदों के साथ प्रदेश भाजपा के बड़े से लेकर छोटे नेता गांव चलो अभियान में गांव-गांव तक जाएंगे और वहां पर ग्रामीणों के साथ संवाद करेंगे। इसी के साथ जिलों में सक्रिय कार्यकर्ताओं के सम्मेलन होंगे। मंडल और बूथ स्तर पर भी कार्यक्रम होंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी यशवंत जैन ने बताया, स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पार्टी कार्यालयों और घरों में 5 से 7 तक अप्रैल को दीपोत्सव किया जाएगा।

प्रदेश एवं सभी जिला कार्यालयों में विशेष सजावट की जाएगी। 6 अप्रैल को सभी कार्यालयों में विधिवत ध्वजारोहण होगा। श्री जैन ने बताया 6 और 7 अप्रैल को बूथ पर प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्य एकत्रित होकर स्थापना दिवस मनाएंगे। 8 और 9 अप्रैल को जिला सम्मेलन होंगे। इस सम्मेलन में संगठनात्मक विस्तार और भाजपा की विकास यात्रा व चुनावी सफलताओं की रणनीति पर चर्चा होगी।

मुख्यमंत्री साय स्थापना दिवस पर आज ठाकरे परिसर के कार्यक्रम में होंगे शामिल

हर विस के 50 गांवों तक जाएंगे नेता

गांव चलो अभियान में मुख्यमंत्री से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं को भी गांवों तक जाना हैं। गांव में चौपाल लगाकर वहां पर ग्रामीण से संवाद करना है। ग्रामीणों से उनकी समस्याओं के बारे में भी पूछा जाएगा। उनकी समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा। इसी के साथ केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में भी बात की जाएगी कि उनको इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री, प्रदेश के मंत्री, विधायक और सांसद अपने-अपने क्षेत्र के ही किसी गांव में जाएंगे। इसी के साथ प्रदेश भाजपा संगठन के पदाधिकारी, जिलों के पदाधिकारी, मोर्चा और प्रकोष्ठ के भी पदाधिकारी इस अभियान में शामिल होंगे। हर विधानसभा में 50 गांवों का चयन किया जाएगा। इससे ज्यादा गांव भी किसी विधानसभा में हो सकते हैं। इन चयनित गांवों तक ही प्रदेश के नेता जाएंगे और वहां पर स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा। इसी के साथ गांवों में भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की जाएगी।

खबर संक्षेप

गंगरेल बांध से पानी छोड़ा कई गांवों को मिलेगी राहत

तरपोंगी। किसान नेता व पूर्व जिला पंचायत कृषि सभापति राजू शर्मा ने भीषण गर्मी से जल संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व सिंचाई मंत्री से क्षेत्र के किसान एवं जन प्रतिनिधि के निरंतर मांग पर आख़िरकार गंगरेल से मुख्य नहर में पानी छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा कि गंगरेल के पानी से गोली, माढ़र, भाटापारा, तिल्दा क्षेत्र के सूखे तालाबो को भरा जाएगा। नहर में पानी छोड़ने से हैंड पंपों एवं कृषि कार्य के लिए जल स्तर पर सुधार होगा तालाब में पानी भरने से गांव में निस्तारी की समस्या दूर होगी। इसी समस्या को लेकर किसान नेता राजू शर्मा ने मुख्य सचिव मुख्य अभियंता एवं कृषि मंत्री से मुलाकात कर गंगरेल एवं सभी जलाशय से पानी छोड़ने का आग्रह किया था।

श्री भागवत कथा आज से मोहदा में

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम मोहदा में 6 से 14 अप्रैल तक संगीतमय भागवत महापुराण का आयोजन रखा गया है।जिसके कथा वाचक पं अखंड शुक्ला मोहदा वाले है। कथा का समय दोपहर 2.30 बजे से शाम 7 बजे तक है। यह भागवत कथा जलाभिषेक समिति के द्वारा आयोजित है।

भागवत कथ की पूर्णाहुत श्रद्धालुओं का लगा तांता

कूंरा। सिलतरा में विगत दिनों से चल रही आचार्य श्रीयुत पं. युवराज पाण्डेय जी की श्रीमद भागवत कथा का रविवार को समापन हुआ। कथा के अंतिम दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति, श्रद्धा और उत्साह से सराबोर नजर आया। इस अवसर पर भावेश बघेल ने आचार्य पं. युवराज पाण्डेय जी की कथा वाचन शैली की सराहना की। कथा वाचक युवराज पांडे जी का भव्य स्वागत करने कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रमुख भावेश बघेल ,ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष आशीष वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण उपस्थित रहे है ।

साहू समाज के राजेश बने सह संयोजक

कूंरा। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ (आई.टी. सेल प्रकोष्ठ) द्वारा श्री मनीष साहू को प्रदेश प्रभारी महामंत्री श्री राजेश कुमार साहू को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रदेश सह संयोजक के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू, आई.टी. सेल प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्री द्वारिका साहू तथा प्रदेश पदाधिकारियों की सहमति एवं अनुमोदन से की गई है।

खैरखूँट में 6 को मनाई जाएगी मां कर्मा जयंती

तरपोंगी। समीपस्थ ग्राम खैरखूँट में 6 अप्रैल दिन सोमवार को भक्त कर्मा माता की जयंती मनाई जाएगी। सुबह 10 बजे कलश यात्रा, दोपहर 2 बजे प्रसादी वितरण के तत्पश्चात हंसवाहिनी पंडवानी गायिका रूही साहू का कार्यक्रम आयोजित है। शाम 4 बजे अतिथियों का स्वागत। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शैल महेंद्र साहू सभापति महिला बाल विकास विभाग रायपुर, राजू शर्मा किसान नेता व पूर्व जिला पंचायत सभापति, शैलेश नितिन त्रिवेदी पूर्व अध्यक्ष छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम होंगे। अध्यक्षता पोषण साहू पूर्व अध्यक्ष तहसील साहू संघ करेंगे।

दो हजार संपत्तियों पर किराएदार काबिज, पर नहीं दे रहे किराया

वक्फ की 5000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जा थोक में नोटिस, सीबीआई को जाएगा मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने फैसला किया है कि अब पूरे प्रदेश की वक्फ की संपत्तियों को लेकर सीबीआई जांच का प्रस्ताव प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। पहले महज रायपुर जिले की 500 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे की जांच का प्रस्ताव भेजने का फैसला किया गया था, लेकिन अब फैसला बदल दिया गया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज के मुताबिक प्रदेश भर में वक्फ की 5723 संपत्तियों पर अवैध कब्जा है। इन संपत्तियों की कीमत पांच हजार करोड़ है। इसमें से करीब दो हजार संपत्तियां ऐसी हैं जिन पर किराएदार काबिज हैं, लेकिन किराया नहीं दे रहे हैं। किराए से ही सालाना दो सौ करोड़ मिल सकते हैं, लेकिन इस समय महज पांच लाख मिल रहे हैं। वक्फ के संशोधित कानून के बाद अपने प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड ने बीते साल से एक्शन प्रारंभ किया है।

हरिभूमि फॉलोअप

प्रदेश भर में वक्फ की संपत्तियों की जांच करके देखा गया है कि कहां पर कौन काबिज है। पूरे प्रदेश में वक्फ की संपत्तियों पर कब्जा करने की जानकारी सामने आई है। बहुत ही संपत्तियों को फर्जी तरीके से बेचे जाने की भी जानकारी मिली है। वक्फ की संपत्तियों को कब्जा मुक्त कराने के लिए लगातार कब्जाधारियों को वक्फ बोर्ड द्वारा नोटिस दिया जा रहा है। वक्फ अध्यक्ष डा. सलीम राज का कहना किसी भी हाल में वक्फ की संपत्ति पर किसी को कब्जा करने नहीं दिया जाएगा। वक्फ की एक-एक जमीन को कब्जा मुक्त कराएंगे। जो भी लोग संपत्ति वक्फ की न होने का दावा कर रहे हैं, वो गलत है। हमने सारे दस्तावेज देखने के बाद ही नोटिस जारी किए हैं।

वक्फ के संशोधित कानून के बाद अपने प्रदेश में भी वक्फ बोर्ड ने बीते साल से एक्शन प्रारंभ किया

बन रहा है सीबीआई जांच के लिए प्रस्ताव

बोर्ड ने पहले रायपुर जिले की 500 करोड़ की संपत्ति की सीबीआई जांच कराने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का काम प्रारंभ किया था, लेकिन अब पूरे प्रदेश भर की संपत्ति को लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। डा. सलीम राज का कहना है कि 5723 संपत्तियों को लेकर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसमें थोड़ा वक्त लगेगा, लेकिन सभी संपत्तियों की जांच कराने का प्रदेश सरकार के पास प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा। प्रदेश सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव जाएगा। इसके बाद सीबीआई जांच प्रारंभ होगी।

सलीम राज ने कहा- किया है फर्जीवाड़ा

इस मामले में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कहना है, रायपुर के दुकानदारों के साथ ही प्रदेश भर से जिनके भी जवाब आए हैं, उन जवाबों से बोर्ड संतुष्ट नहीं है। फर्जीवाड़ा करके जमीन पर कब्जा किया गया है। उन्होंने बताया, जो खुद किराएदार रहे हैं वो भला कैसे किसी को जमीन बेच सकते हैं। पूरी तरह से फर्जीवाड़ा करके वक्फ की संपत्ति को बेचने का काम किया गया है। उन्होंने कहा, प्रदेश में जहां-जहां भी वक्फ की जमीन पर कब्जा है, उसको मुक्त कराया जाएगा।

105 पौवा शराब जब्त दो आरोपी गिरफ्तार

अभनपुर। अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अभनपुर पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से भारी मात्रा में देशी शराब बरामद की गई है, जिसके बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस को मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि अभनपुर ओवरब्रिज के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब की बिक्री कर रहा है। पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर ईश्वर धीवर (38 वर्ष, निवासी सारखी) को धर दबोचा। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 70 पौवा देशी शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 7,000 रुपए बताई जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने ग्राम सातपारा में भी दबिश दी। यहां योगेश पहाड़ी (23 वर्ष) को अवैध शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के पास से 35 पौवा देशी शराब जब्त की गई है। पुलिस ने दोनों मामलों में कुल 105 पौवा शराब बरामद करने में सफलता हासिल की है। अभनपुर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। गिरफ्तारी के पश्चात दोनों को स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सरकारी भुगतान प्रणाली में बड़ा बदलाव, अब डिजिटल सिग्नेचर से पास होंगे बिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन के वित्त विभाग ने राज्य की वित्तीय कार्यप्रणाली को पूरी तरह आधुनिक और डिजिटल बनाने के लिए ''छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता'' में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। अब सरकारी देयकों (बिल) की तैयारी और भुगतान की प्रक्रिया में मैन्युअल हस्ताक्षरों के स्थान पर डिजिटल तकनीक को प्राथमिकता दी जाएगी। अब हर बिल डिजिटल हस्ताक्षर से जारी होंगे। अब से पहले हाथ से लिए साइन से बिल पास हुआ करते थे।

नए नियमों के अनुसार, जहां भी देयकों को तैयार करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, वहां उन देयकों को डिजिटली हस्ताक्षरित करना अनिवार्य होगा। विशेष रूप से, आहरण एवं संवितरण अधिकारी के स्थानांतरण की स्थिति में अब नई व्यवस्था लागू की गई है, अब कार्यमुक्त करने वाले अधिकारी के स्थान पर नए अधिकारी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र ऑनलाइन अपडेट होने के बाद ही बिलों पर डिजिटल हस्ताक्षर किए जा सकेंगे। इस प्रक्रिया में वरिष्ठ आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर को सत्यापित कर कोषालय अधिकारी को भेजा जाएगा, जो स्थानांतरण आदेश और पदभार ग्रहण रिपोर्ट की जांच के बाद ही संव्यवहार की अनुमति देंगे।

■ छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता में बड़ा बदलाव

ऑनलाइन बिलों में डिजिटल हस्ताक्षर होंगे सत्यापित

नियम में साफ किया गया है कि ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए देयकों को डिजिटल हस्ताक्षर की प्रमाणिकता के सम्यक सत्यापन के बाद ही तैयार और पारित किया जाएगा । यदि भुगतान महालेखाकार कार्यालय से जारी प्राधिकार पत्र के आधार पर होना है, तो कोषालय अधिकारी हस्ताक्षरों का मिलान अपनी व्यक्तिगत अभिरक्षा में रखी ''गार्ड फाइल'' में मौजूद आदर्श नमूना हस्ताक्षरों से करेंगे। इसके अतिरिक्त, स्थानांतरित शासकीय सेवकों के वेतन और भत्तों के अवशेष (एरियर्स) के लिए अब नवीन स्थापना के आहरण एवं संवितरण अधिकारी ही बिल तैयार कर कोषालय में प्रस्तुत करेंगे, बशर्ते पिछली स्थापना से ''अनाहरण प्रमाण पत्र'' प्राप्त कर लिया गया हो।

अब इस तरह जनरेट होंगे बिल

डिजिटल पारदर्शिता को और मजबूत करते हुए अब ''बिल ट्रांजिट रजिस्टर'' का क्रमांक ऑनलाइन जनरेट किया जाएगा, जिसकी एक हार्ड कॉपी कार्यालयीन रिकॉर्ड में रखना अनिवार्य होगा। वहीं, व्यक्तिगत निक्षेप खातों के मामले में अब चेक के साथ-साथ ऑनलाइन ई-चेक के माध्यम से भी भुगतान की वापसी की जा सकेगी। नियमों में यह भी साफ किया गया है कि जो कार्यालय कोषालय से सीधे आहरण के लिए अधिकृत नहीं हैं, वे संबंधित विभाग के डीडीओ के माध्यम से अपनी जमा राशि निकाल सकेंगे, लेकिन किसी भी स्थिति में खाते में जमा राशि से अधिक के आहरण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिला अस्पताल में महिला को मिला नया जीवन

रायपुर। सुकमा जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवा की तत्परता और आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। सिविल सर्जन डॉ. एमआर कश्यप ने बताया कि छिंदगढ़ विकासखंड के कुन्ना निवासी 38 वर्षीय पाली कवासी को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल सुकमा में भर्ती कराया गया। देरी से अस्पताल पहुंचने के कारण स्थिति अत्यंत जोखिमपूर्ण थी और तत्काल सर्जरी आवश्यक हो गई। अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुजा ने बिना समय गंवाए तुरंत एलएससीएस ऑपरेशन कर मरीज का उपचार प्रारंभ किया। हालांकि ऑपरेशन के दौरान मृत बच्चा पैदा होने से महिला की स्थिति और अधिक जटिल हो गई। महिला की हालत लगातार बिगड़ती चली गई और रेफर करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान महिला का श्वास बंद सा हो गया, साथ ही नाड़ी और हृदय की धड़कन भी थम सी गई। ऐसे संकट की घड़ी में जिला अस्पताल की मेडिकल टीम ने त्वरित निर्णय लेते हुए महिला को दो बार सीपीआर दिया और तत्काल वार्ड में शिफ्ट कर आधुनिक वेंटीलेटर की सहायता से उपचार शुरू किया गया। इसके बाद महिला को दो यूनिट रक्त चढ़ाया गया।

मंडल से सालभर में 2.66 करोड़ ने किया सफर 1.97 लाख बेटिकट रेलवे ने वसूले 11.13 करोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेनों में बिना टिकट सफर करने यात्रियों की धरपकड़ का कार्य रेलवे प्रशासन ने तेज कर दिया है। अब एक्सप्रेस के जनरल में भले ही पैर रखने की जगह न हो, लेकिन अब टीटीई यात्रियों की टिकट जांच करने पहुंचने लगे हैं। यही वजह है कि रायपुर रेलमंडल की वित्तीय वर्ष 2025-26 का राजस्व बीते अन्य वर्षों से अधिक है। रेलवे द्वारा चलाए गए सघन टिकट चेकिंग अभियानों का असर यह रहा कि इस मद से प्राप्त आय ने मंडल की पार्सल, पार्किंग और खानपान जैसी प्रमुख वाणिज्यिक सेवाओं से होने वाली आय को भी काफी पीछे छोड़ दिया है।

रायपुर मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में बिना टिकट और अनियमित यात्रा के कुल 1 लाख 97 हजार 873 मामले दर्ज किए गए। इन यात्रियों से जुर्माने और किराये के रूप में रेलवे ने कुल 11.13 करोड़ रुपए राजस्व प्राप्त किया। रेलवे ने जहां पार्सल परिवहन से पूरे वर्ष में 7.44 करोड़ रुपए कमाए, वहीं टिकट चेकिंग से प्राप्त आय इससे 3.69 करोड़ रुपए अधिक रही। मंडल ने अपने पार्किंग आय लक्ष्य को पार करते हुए 3.44 करोड़ रुपए कमाए, लेकिन टिकट चेकिंग से होने वाली 11.13 करोड़ की कमाई इसके मुकाबले तीन गुना से भी ज्यादा है। स्टेशनों और ट्रेनों में खानपान से रेलवे को 3.22 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जो टिकट चेकिंग से हुई कमाई के सामने काफी कम है।

हर महीने औसतन 16 हजार से अधिक कार्रवाई

ट्रेनों में बिना टिकट के 1 लाख 97 हजार 873 मामलों में सर्वाधिक एक्सप्रेस ट्रेन में सफर करने वाले यात्री रहे। इसके बाद लोकल ट्रेन है। बता दें कि ज्यादातर कार्रवाई ट्रेन में जांच के दौरान ही हुई है। जांच को तेज करने रेलवे ट्रेन में लगातार अभियान में तेजी लाई है। रायपुर मंडल में हर महीने औसतन लगभग 16,489 बिना टिकट या अनियमित यात्रियों पर कार्रवाई की गई है। अगर हर दिन का औसत निकालें तो रेलवे ने हर दिन औसतन लगभग 542 लोगों पर कार्रवाई की है।

एक साल में 2 करोड़ 66 लाख यात्रियों ने किया सफर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान यात्री यातायात में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। एक ओर जहां मंडल ने 26.6 मिलियन (2 करोड़ 66 लाख) यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया, वहीं दूसरी ओर बिना टिकट यात्रा करने वालों पर की गई सख्त कार्रवाई के चलते रेलवे के खजाने में करोड़ों रुपए का राजस्व भी जमा हुआ है। रेलवे की इस दोहरी रणनीति से यात्री आय और टिकट बिक्री दोनों में इजाफा हुआ है। विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में रायपुर मंडल से 26.6 मिलियन यात्रियों ने वैध टिकट के साथ सफर किया। इससे रेलवे को 631.35 करोड़ रुपए का शुद्ध यात्री राजस्व प्राप्त हुआ। पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में, इस वर्ष यात्रियों की संख्या में 7.30 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। इसी प्रकार यात्री राजस्व में भी पिछले वर्ष की तुलना में 3.85 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

माल ढुलाई से रायपुर मंडल ने कमाए 4983 करोड़ रुपए

रायपुर रेल मंडल का वित्तीय वर्ष 2025 -2026 पिछले वर्ष से बेहतर रहा। मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने बताया, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान संपूर्ण भारतीय रेलवे के साथ ही साथ रायपुर मंडल में आधारभूत संरचना, माल लदान, यात्री परिवहन एवं यात्री सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान नई लाइनों का निर्माण, चौथी लाइन कार्य में प्रगति, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में प्रगति, यात्री सुविधाओं के विकास का बेहतर क्रियान्वयन तथा प्रमुख स्टेशनों में नई-नई यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई। माल लदान के क्षेत्र में भी नए कीर्तिमान स्थापित किए गए। इसी संदर्भ में मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने मंडल सभाकक्ष में प्रेसवार्ता कर परिचर्चा की। मंडल की प्रमुख महत्वपूर्ण उपलब्धियों, यात्री सुविधाओं एवं विभिन्न विकासात्मक कार्यों की जानकारी साझा की। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी भी उपस्थित रहे। **नए अवसर बनाने में सफल रहा मंडल:** वित्तीय वर्ष 2025–26 में रायपुर मंडल ने राजस्व, संरक्षा, तकनीकी नवाचार एवं यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए भारतीय रेल में एक आदर्श मंडल के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है।

राजधानी में शिक्षक संघ की प्रांतीय महासभा, प्रदेशभर से शिक्षक हुए शामिल

शिक्षक संघ ने कहा- 65 वर्ष हो शिक्षकों की सेवा अवधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन द्वारा रायपुर में प्रांतीय महासभा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर उत्तर विधानसभा के माननीय विधायक पुरंदर मिश्रा जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने की।

इस महासभा में प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों और शिक्षकों ने प्रथम नियुक्ति से पेंशन की एक सूत्रीय मांग की। मुख्य अतिथि पुरंदर मिश्रा ने आश्वस्त किया कि वे पेंशन संबंधी इन मांगों को सरकार तक पहुंचाएंगे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने मुख्य अतिथि को मांग पत्र सौंपते हुए सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों की जीरो पेंशन व्यवस्था की व्यथा साझा की। महासभा में छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश संयोजक सुधीर प्रधान, वाजिद खान, प्रदेश उपाध्यक्ष देवनाथ साहू, बसंत चतुर्वेदी, प्रवीण श्रीवास्तव, शैलेन्द्र यदु, कोमल वैष्णव, मुकेश मुदलियार, प्रदेश सचिव मनोज सनाढ्य, प्रदेश कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र परिक सहित बड़ी संख्या में प्रदेश व जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ और आईटी सेल के सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजित हो विभागीय टेट

मांग पत्र में प्रथम नियुक्ति से गणना और 20 वर्ष में पूर्ण पेंशन जैसी मांगों को शामिल किया गया है। शिक्षक संघ ने मांग करते हुए कहा, पूर्व सेवा अवधि को पेंशन योग्य सेवा मानते हुए प्रथम नियुक्ति तिथि से पेंशन की गणना की जाए। शिक्षकों की सेवा अवधि 65 वर्ष तक किए जाने, प्रदेश भर के शिक्षकों को क्रमोन्नति-समयमान वेतनमान प्रदान करने, प्राचार्य, व्याख्याता, प्रधान पाठक मिडिल स्कूल, शिक्षक, प्रधान पाठक प्राथमिक स्कूल के पदों पर पदोन्नति करने, विभागीय शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने, विभागीय डीएड व बीएड परीक्षा की व्यवस्था करने की मांगों पर कार्ययोजना बनाते हुए विशेष मंथन प्रदेश भर के प्रांतीय पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, पदाधिकारी व संकुल पदाधिकारी ने की।

खबर संक्षेप

एनएसयूआई आज घेरेगी प्रदेशभर के विवि

रायपुर। एनएसयूआई द्वारा छात्र संघ चुनाव बहाली की मांग को लेकर 6 अप्रैल को प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।इसके तरह एनएसयूआई प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों का एक साथ घेराव करेगी। रायपुर में पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं आयुष विश्वविद्यालय का घेराव किया जाएगा। अन्य जिलों में स्थित शासकीय विश्वविद्यालयों का भी घेराव किया जाएगा।

छात्रा संसद आज

रायपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 6 अप्रैल को पुराना विधानसभा भवन ऑडिटोरियम में छात्रा संसद का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से छात्राएं शामिल होंगी, जो महिलाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा करेंगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े भी इसमें शामिल होंगी।

एम्स का स्वच्छता पखवाड़ा अभियान की शुरुआत

रायपुर। स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत एम्स की स्वच्छता समिति ने प्लास्टिक फ्री एम्स फ्रॉम कैंपस टू कम्युनिटी अभियान की शुरुआत की। अभियान एम्स परिसर से कबीर नगर चौक तक लगने वाले साप्ताहिक बाजार क्षेत्र में बढ़ते सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ किया गया। अभियान के दौरान टीम ने लोगों को इस प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया एवं उन्हें प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। साथ ही नगर निगम के सफाई मित्रों को प्लास्टिक कचरे के उचित पृथक्करण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। स्थानीय दुकानदारों को विशेष रूप से गुटखा पाउच एवं पॉलीथीन के उचित निपटान के संबंध में जागरूक किया गया।

निधन

सुमन ताई ठोकने

रायपुर। ग्राम सिरसिदा निवासी सुमन ताई ठोकने 5 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 6 अप्रैल को प्रातः 10 बजे गृहग्राम सिरसिदा में किया जाएगा। वे स्व. कुलेश्वर ठोकने की पत्नी, भाजपा के वरिष्ठ नेता कमलेश ठोकने एवं राजू ठोकने की माताजी थीं।

कौशल्या देवी अग्रवाल

रायपुर। अग्रोहा कालोनी निवासी कौशल्या देवी (93) का 3 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 4 अप्रैल को महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे एक्स के चिकित्सक डॉ. आलोक अग्रवाल एवं रायपुर की स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. आशा जैन की माता थीं। चिकित्सा जगत एवं समाजजनों ने उनके निधन पर शोक जताते हुए श्रद्धांजलि दी है।

उमेश कुमार शर्मा

रायपुर। सत्यम विहार रायपुरा निवासी सेवानिवृत्ति विद्युत मंडल कर्मी उमेश कुमार शर्मा (65) पसौद वाले का 4 अप्रैल को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे लक्ष्मी शर्मा के पति, सनत, विनोद, अश्वनी के भाई एवं अनिरुद्ध, गौरव, प्रियांशु के पिता थे।

आम-सूचना

ग्राम- सेजबहार, प.ह.नं.- 00082, रा.नि.मं. रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित आवासीय परिसर ऑफिसर पार्क के अंतर्गत खसरा नंबर 15003/1 का भाग, रकबा 1101 वर्गफुट के संबंध में:-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार क्रेता श्री देव मूरत त्रिपाठी, उम्र- 32 वर्ष, पिता- श्री शिव कृष्ण त्रिपाठी, निवासी-शास्त्री कॉलोनी, भीमाखेड़ा, उज्जैन (म.प्र.) के द्वारा, विक्रेतागण- मेसर्स ऑफिसर्स पार्क द्वारा भागीदार- 1. राजेन्द्र कुमार गांधी, पिता- श्री पूरन लाल गांधी, 2. श्री हेमंत लुंकड़, पिता-श्री हेमराज लुंकड़, 3. आफताब सिद्दीकी, पिता- ए.एम. सिद्दीकी, 4. श्री सुरेश कुमार बंग, पिता-श्री घनश्याम दास बंग, सभी का पता-शॉप नं.- 59, सरदार वल्लभ भाई पटेल, नगर निगम मार्केट, डूमर तराई, रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) से एक आवासीय परिवर्तित भूखंड जो कि ग्राम-सेजबहार, प.ह.नं.- 00082, रा.नि.मं.- रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित आवासीय परिसर ऑफिसर पार्क के अंतर्गत खसरा नंबर 15003/1 का भाग, भूखंड क्रमांक- 85 (पच्यासी), रकबा 1101 (एक हजार एक सौ) वर्गफुट को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि अदा कर दिया है जो कि राजस्व अभिलेखो में उपरोक्त विक्रेतागणों के नाम से दर्ज हैं, जिसका केवल बैनामा पंजीयन कराया जाना ही शेष है।

अतः उपरोक्त संव्यवहार में जिस किसी भी व्यक्ति, साहूकार, फर्म, संस्था, बैंक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय निकाय इत्यादि को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो तो वह इस आम सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अंदर मय सुसंगत दस्तावेज मेरे कार्यालय में आकर अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावें। समयावधि बीतने के पश्चात की गई आपत्ति अवैध व शून्य समझी जाएगी तथा मेरे पक्षकार पर लागू एवं बंधनकारी नहीं होकर शून्य मानी जाएगी। अतः सूचना जाने।

दिनांक : 03/04/2026

विवेक रंजन गांगुली, अधिवक्ता
सी-76/5, टैगोर नगर तहसील व जिला रायपुर, मो.नं. 79746 66903

खारुन के पानी पर जलकुंभी का कब्जा, डेढ़ करोड़ फंड मिला, पर नदी-तालाबों की सफाई अब तक शुरू नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अंचल की जीवनदायिनी खारुन नदी इन दिनों जलकुंभी और जलीय वनस्पति से अटी पड़ी है। इससे एक ओर जहां तालाब के पानी की गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है, वहीं जल प्रदूषण का खतरा बना हुआ है। दूर-दूर तक जलकुंभी के जमाव के चलते नजरों से नदी का साफ पानी ओझल होता जा रहा है। हैरानी की बात ये है कि नगर निगम प्रशासन ने अब तक खारुन नदी से जलकुंभी की सफाई के लिए जोन स्तर पर मैनुअल सफाई के लिए टेंडर भी नहीं निकाला है, न ही निगम मुख्यालय से जलकुंभी सफाई करने नई मशीन की खरीदी हो पाई है। इसके लिए 1.50 करोड़ की राशि रायपुर नगर निगम को पहले ही मिल चुकी है।

ऑनलाइन टेंडर में आई 6 कंपनियां, सिंगल कंपनी पात्र, निगम ने किया री-टेंडर

मैनुअल सफाई खर्चीली, मशीन से सफाई की है योजना

महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा शहर के तालाबों और नदी की जलकुंभी सफाई को प्रभावी रूप से करने रायपुर नगर निगम पहली बार नदी-तालाबों में तैरने वाली मशीन से जलकुंभी की सफाई कराने की तैयारी में है। यह तरीका मछुआरों से जलकुंभी की हाथ से सफाई कराने की तुलना में कम खर्चीला और कम समय में जलकुंभी निकालने के लिए है। जलकुंभी निकालने में इस तरह का प्रयोग अब तक भिलाई, दुर्ग और जगदलपुर नगर निगम ने सफलतापूर्वक किया है। बिलासपुर नगर निगम द्वारा किराए की मशीन से जलकुंभी की सफाई कराई गई। इसी तर्ज पर रायपुर नगर निगम ने सफाई संसाधन को बढ़ाते हुए जलकुंभी सफाई के लिए नई मशीन खरीदने ऑनलाइन टेंडर किया, जिसमें आधा दर्जन कंपनियों ने रुचि दिखाई, पर नियम व शर्त में केवल एक कंपनी ही पात्र पाई गई। सिंगल एजेंसी पात्र होने से री-टेंडर किया गया है। प्रक्रिया पूरी होते ही शहर के लिए जलकुंभी साफ करने नई मशीन खरीदी जाएगी।

गर्मी के मौसम में एक तरफ जहां प्राकृतिक बहाव से नाले-नालियों से पानी आना कम होने से खारुन नदी में जलस्तर घटता जा रहा है। वहीं जलकुंभी और जलीय कचरे की भरमार होने से नदी का पानी प्रदूषित होने का खतरा बढ़ गया है। नगर निगम ने अमृत मिशन के तहत राजधानी सहित आसपास के क्षेत्रों से 17 प्रमुख नाले-नालियों का गंदा पानी खारुन में सीधे जाने से रोकने 240 करोड़ रुपए खर्च कर खारुन नदी के किनारे कारा, निमोरा और चंदनीडीह में तीन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना की है। इसके बाद भी खारुन नदी में चिंगरी नाले का गंदा पानी जाने से नदी का पानी प्रदूषित होने से नहीं बच पाया।

जनगणना में आदिवासी धर्म कॉलम रखने की मांग

सर्व आदिवासी समाज की बैठक में जुटे प्रदेश के 42 आदिवासी समाज के मुखिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक रविवार को आदिवासी कंवर भवन टाटीबंध में हुई, जहां छत्तीसगढ़ के 42 आदिवासी समाज के समाज प्रमुख शामिल हुए। साथ ही बैठक में राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति, भारत के संयोजक एवं झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेश के समाज प्रमुख उपस्थित रहे। इस मौके पर जनगणना में आदिवासी धर्म कोड लिखने को लेकर व्यापार प्रचार-प्रसार करने रणनीति बनाई गई। बैठक में शामिल आदिवासी समाज के समाज प्रमुखों ने जातीय जनगणना, आगामी विधानसभा और लोकसभा परिसीमन के संदर्भ में चर्चा की।

- झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रदेशों के सामाजिक प्रमुख शामिल

राजधानी के टाटीबंध स्थित कंवर भवन में छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक में सभी 42 आदिवासी समुदाय प्रमुख, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, आदिवासी संस्था के प्रमुखों ने भाग लिया और विभिन्न विषयों पर चर्चा कर सुझाव दिए। बैठक में राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति भारत के संयोजक देव कुमार धान शामिल हुए। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के नेता अरविंद नेताम ने कहा कि उनके जीवन में राजनीति से ज्यादा लगाव समाज से था। सामाजिक विषयों पर कभी राजनीति को हावी नहीं होने दिया। श्री नेताम ने कहा कि हमारी सामाजिक व्यवस्था पब्लिक स्थान पर ही होती है,

हमारी संस्कृति भी पेड़-पौधों से जुड़ी हुई है।

बैठक में शामिल देव कुमार धान ने कहा राष्ट्रीय जनगणना कार्य का प्रारंभ का फेस-1 शुरू गया है, जिसमें अपनी संपत्ति, आवास, वाहन की जानकारी देनी होगी, इसलिए अपनी वस्तुस्थिति को सही-सही बताना है, नहीं तो कई लोग इसमें गरीबी रेखा से वंचित हो जाएंगे। लोगों को जागरूक करने गांव-गांव में बैठक कर राष्ट्रीय जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग धर्म का कॉलम रखने की मांग करनी है, क्योंकि 2011 की जनगणना में 86 लाख सारण एवं 10 लाख गोंड अपना धर्म कोड लिखे थे।

स्वतंत्रता से पहले 1931 एवं 1941 में आदिवासियों को ट्राइबल धर्म कोड दिया था, लेकिन आगे की जनगणना में 1951 में उस कॉलम को हटा दिया गया। इसलिए लगातार पूरे देश में अलग-अलग स्थान पर धर्म आदिवासी कॉलम लिखने के लिए सभी संगठनों ने एक मत बनाया है। प्रतिभागी वक्ताओं ने बताया कि नासिक में होने वाली आगामी बैठक में और आगामी बैठक में इसी महत्वपूर्ण बात के बारे में समाज के लोगों को समझाना है।

पूर्व सांसद और आदिवासी समाज के नेता नंदकुमार साय ने कहा, कि धीरे-धीरे आदिवासी की आबादी छोटी पढ़ते जा रही है एक समय सरकार ने प्लानिंग हम दो हमारे दो आदिवासी ने भी इस शासन की योजनाओं का पालन किया जिसमें हमारी जनसंख्या कम होती गई। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ लोह अयस्क का खदान है जिसमें बाहरी लोग कमाने आते हैं और यही का निवासी होकर आदिवासी शेड्यूल्ड एरिया में हमारे आबादी को कम करवाते हैं और बाहरी व्यक्ति अपना जनसंख्या ज्यादा दर्शा देते हैं ,यह बहुत बड़ी विडंबना है।

नंद कुमार साय ने कहा कि आज तक पूरे देश में अलग-अलग आदिवासी संगठन अलग-अलग धर्मकोट की मांग करते थे लेकिन इस समय के जनगणना में 2026 की जनगणना में पूरे देश के आदिवासी आदिवासी धर्म कॉलम लिखने का निर्णय लिया गया। अब जनगणना के बारे में गांव-गांव जाकर समाज के लोगों को जागरूक करना पड़ेगा।

ये हुए शामिल

इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरविंद नेताम, झारखंड के पूर्व मंत्री देव कुमार धान, गोंडवाना गोंड महासभा अध्यक्ष अकबर राम कोर्राम, भुवन कोर्राम गोंडवाना गोंड महासभा भोपाल, नंदकुमार साय पूर्व आदिवासी आयोग अध्यक्ष, बीएस रावटे सर्व आदिवासी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष, मंगतू पवार पूर्व विधायक, सोनूराम नेताम राष्ट्रीय गोंडवाना गोड़ महासभा उपाध्यक्ष, श्याम सिंह तारम मध्यप्रदेश, सविता सहाय महिला अध्यक्ष सर्व आदिवासी समाज झारखंड, देवनाथ नगारची समाज अध्यक्ष, जिवराखन लाल उसारे प्रदेश मीडिया प्रभारी, महेश रावटे, जिवराखन मरई सहित 42 जाति के आदिवासी समाज प्रमुख बैठक में उपस्थित रहे।

कैट ने ई-कॉमर्स की मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने केंद्र सरकार से ई-कॉमर्स एवं क्विक कॉमर्स कंपनियों की बढ़ती मनमानी पर अंकुश लगाने की मांग की है। साथ ही राष्ट्रीय रिटेल विकास परिषद के गठन को समय की मांग बताया है। कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से संसद द्वारा पारित जनविश्वास विधेयक 2.0 का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह कदम व्यापार में विश्वास और सुगमता को बढ़ाने वाला है। इससे देश के व्यापारियों और उद्यमियों को मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही एक सकारात्मक कारोबारी माहौल बनेगा।

अमर पारवानी ने चिंता जताते हुए कहा कि विदेशी पूंजी से संचालित कुछ ई-कॉमर्स कंपनियां भारत के व्यापारिक संतुलन को बिगाड़ रही हैं। देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारी, जो आपूर्ति श्रृंखला और रोजगार का मुख्य आधार हैं, उनके सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो रही है। श्री पारवानी ने बताया कि प्रिडेटरी प्राइसिंग, अत्यधिक छूट यानी डीप डिस्काउंटिंग,डार्क पैटर्न्स, मार्केटप्लेस के नाम पर इन्वेंट्री मॉडल, चुनिंदा विक्रेताओं को बढ़ावा देना और डार्क स्टोर्स का तेजी से विस्तार ये सभी प्रथाएं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा के खिलाफ हैं और छोटे व्यापारियों के लिए खतरा बन रही हैं।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसी कंपनियों को भारत में मनमानी करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ऑफलाइन और ऑनलाइन व्यापार के बीच समान अवसर जरूरी है, तभी देश की अर्थव्यवस्था संतुलित और मजबूत बनेगी। कैट ने सरकार से मांग की कि राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति को जल्द लागू किया जाए, सख्त और पारदर्शी नियम बनाए जाएं तथा इन गतिविधियों पर निगरानी के लिए मजबूत व्यवस्था तैयार की जाए। संस्थागत सुधार की जरूरत बताते हुए कैट के राष्ट्रीय वाईस चेयरमैन अमर पारवानी ने राष्ट्रीय रिटेल विकास परिषद के गठन की मांग की।

शहरी-ग्रामीण क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने 'ऑपरेशन निश्चय', 384 स्थानों पर दी दबिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अपराध और अवैध गतिविधियों पर शिकंजा कसने शहरी तथा ग्रामीण थाना क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। रेंज में ऑपरेशन 'निश्चय' के तहत शनिवार-रविवार को अभियान चलाकर पुलिस ने बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद और रायपुर ग्रामीण में एक साथ कार्रवाई करते हुए 384 जगहों पर छापे की कार्रवाई की। इस दौरान आबकारी, नारकोटिक्स, आर्म्स एक्ट, वारंट तामीली और प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत व्यापक कार्रवाई की गई। छापे की कार्रवाई में एक हजार पुलिसकर्मी, अफसर शामिल रहे।

- रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद में छापे की कार्रवाई

रेंज के अलग-अलग थानों में पुलिस की 95 टीमों ने छापे की कार्रवाई की। कार्रवाई में 126 आबकारी प्रकरण दर्ज कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसी तरह नारकोटिक्स, एनडीपीएस एक्ट के 22 मामलों में 21.945 किलोग्राम मादक पदार्थ और 60 नशीली टेबलेट जब्त की गई। आर्म्स एक्ट के छह मामलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से दो पिस्टल जब्त कर कार्रवाई की है।

जिलेवार कार्रवाई पर एक नजर

बलौदाबाजार-भाटापारा - आबकारी एक्ट के 32 प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए 173 लीटर से अधिक शराब जब्त की गई। नारकोटिक्स के 13 मामलों में 5.673 किलो मादक पदार्थ और 60 टेबलेट जब्त किए गए। साथ ही 22 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और सात वारंट तामील कराए गए।

गरियाबंद - 27 टीमों ने 119 जगहों पर दबिश दी। आबकारी एक्ट के 26 मामलों में 158 बल्क लीटर शराब जब्त की गई। 46 से अधिक लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और दो स्थायी वारंट तामील किए गए।

धमतरी - 30 टीमों ने 150 स्थानों पर चेकिंग की। आबकारी एक्ट के 17 मामलों में 113.96 लीटर शराब जब्त हुई। एनडीपीएस के चार मामलों में करीब चार किलो मादक पदार्थ बरामद किए गए। 29 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

महासमुंद - 38 टीमों ने 115 स्थानों पर रेड की। 35 आबकारी मामलों में 357 लीटर शराब जब्त हुई। एनडीपीएस के दो मामलों में 10.500 किलो मादक पदार्थ जब्त किए गए। साथ ही 20 वारंट तामील कराए गए।

रायपुर ग्रामीण - 16 आबकारी मामलों में कार्रवाई कर 597 पौवा शराब जब्त की गई। तीन नारकोटिक्स मामलों में 1.800 किलो गांजा बरामद हुआ। 17 वारंट तामील और 47 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

वारंट तामीली और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

पुलिस ने अभियान के दौरान 174 प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इसके अलावा 31 गिरफ्तारी वारंट, 14 स्थायी वारंट और एक जमानती वारंट सहित कुल 46 वारंट तामील किए गए। सट्टा-जुआ के दो प्रकरण में सात लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर 6230 रुपए जब्त किए गए।

जारी रहेगा अभियान

ऑपरेशन 'निश्चय' के तहत इस तरह के सघन अभियान आगे भी जारी रहेंगे। इसका उद्देश्य असामाजिक तत्वों, अवैध शराब, नशे के कारोबार और हथियारों की तस्करी पर पूरी तरह अंकुश लगाना है, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

- *अमरेश मिश्रा*
आईजी, रायपुर

निगम आयुक्त को आज प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ सौंपेगा ज्ञापन

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ 6 अप्रैल को महात्मा गांधी सदन में दोपहर 12 बजे नगर निगम आयुक्त विश्वदीप को 12 बजे ज्ञापन सौंपेगा। महासंघ द्वारा देश के अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय में 4 श्रम संहिताओं को एकीकृत कर 18 हजार रुपए के घोषित न्यूनतम वेतन की मांग को लेकर निगम आयुक्त का ध्यान आकर्षित कराएगा। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष खेमूलाल निषाद, कार्यकारी अध्यक्ष संजय ऐडे का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर देश के सभी राज्यों में 4 श्रम संहिताओं को एकीकृत कर न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए निर्धारित किया गया है, पर खेद की बात ये है कि इस नियम के संबंध में छत्तीसगढ़ राज्य में अब तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं किया गया है, जिसके कारण नगरीय निकायों में कार्यरत हजारों प्लेसमेंट कर्मचारी को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों ने असंतोष व्याप्त है। नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को केवल 11 हजार रुपए न्यूनतम वेतन प्राप्त हो रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर मे अपर्याप्त है। इन परिस्थितियों के कारण कर्मचारियों के समक्ष परिवार के भरण, पोषण की समस्या उत्पन्न हो रही है। महासंघ इसी लंबित मांग को लेकर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपेगा।

ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन के सफाई अभियान के 7 सप्ताह हुए पूर्ण

रायपुर। ग्रीन आर्मी रायपुरा जोन द्वारा गदही तालाब में चलाया जा रहा निरंतर सफाई अभियान 5 अप्रैल को 7 सप्ताह पूर्ण कर चुका है। जिस स्थान पर पहले गंदगी, शराब की बोतलें, पाउच, पन्नी, पॉलीथिन, कंटीली झाड़ियां एवं कचरे का अंबार था, आज वहीं गदही तालाब क्षेत्र स्वच्छ, सुंदर और जनोपयोगी बन चुका है। अब यहां महिला एवं पुरुष सुबह-शाम मॉर्निंग वॉक, इवनिंग वॉक कर रहे हैं तथा परिवार के साथ सुरक्षित वातावरण में समय बिता रहे हैं। संस्था के प्रदेश मीडिया प्रभारी शशिकांत यदु ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट को स्मार्ट सिटी के सहयोग से पुनः प्रारंभ कराया गया है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और सुविधाएं दोनों बढ़ी हैं। जोन कमिश्नर को

तालाब की समस्याओं से अवगत कराया गया है तथा स्वास्थ्य अधिकारी को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु सूचित किया गया है। आगामी रविवार को गोताखोरों की मदद से तालाब के पानी की विशेष सफाई की जाएगी, जिससे जल की गुणवत्ता और बेहतर हो सके। ग्रीन सेंट्रल कोर कमिटी द्वारा समस्त कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है।

पेज 11 के शेष ...

पीकर चलाएंगे...पकड़े जाएंगे...

शहर के आठ स्थानों पर चैकिंग पाइंट लगाकर 121 नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ ड्रंक एंड ड्राइव का प्रकरण दर्ज कर उनकी गाड़ी जब्त की है। डेढ़ महीने में डेढ़ हजार से ज्यादा ड्रंक एंड ड्राइव के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई को लेकर डीसीपी ट्रैफिक विकास कुमार का कहना है कि कार्रवाई का लक्ष्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं को रोकना और लोगों की जान बचाना है। ड्रंक एंड ड्राइव की कार्रवाई में अपने खास लोगों को बचाने राजनीतिक दखलंदाजी भी होने लगी है। बावजूद इसके ड्रंक एंड ड्राइव की कार्रवाई में किसी को भी राहत नहीं देने पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने सख्त निर्देश दिए हैं।

पेट्रोल पंप कर्मियों से दोस्ती...

लेता था। इसके बाद उस पंप कर्मी के नहीं होने पर वह पेट्रोल पंप पहुंचता था। इसके बाद मौके पर उपस्थित अन्य पंप कर्मियों से उस पंप कर्मी के बारे में पूछता था। पंप कर्मी द्वारा शातिर के परिचित पंप कर्मी के नहीं होने की बात कहने पर वह उसके आने की इंतजार करने की बात कहकर पंप में ही रुक जाता था। इस दौरान वह अन्य पंप कर्मियों की आखों में धूल झोंककर थैले में रखी नकदी रकम चोरी कर फरार हो जाता था।

बढ़ते कदम संस्था में संजीवनी वृद्धाश्रम का भूमिपूजन

रायपुर। बढ़ते कदम संस्था के संस्थापक स्व. अनिल गुरूबक्षाणी का 62 वां जन्मोत्सव लक्ष्य 2026 में संजीवनी वृद्धाश्रम के नए भवन हेतु भूमि पूजन एवम दाना, सकोरा कोटना का वितरण कर मनाया गया। संजीवनी वृद्धाश्रम 9500 वर्गफिट के भूखंड में भूतल पर गार्डन, पार्किंग, सीढ़ी, लिफ्ट प्रथम तल पर रसोई घर, भोजन कक्ष, महिला बुजुर्गों का रहवास द्वितीय तल पर मल्टिपरपस हॉल के साथ पुरुष बुजुर्गों का रहवास तृतीय तल निर्धन वर्ग हेतु छात्रावास का निर्माण किया जाएगा। संस्था बढ़ते कदम अध्यक्ष सुरेश रोचलानी एवम संजीवनी वृद्धाश्रम के प्रभारी सुनील छतवानी, सुनील पेशवानी एवम बसंत रोहरा ने बताया कि इस दौरान बढ़ते कदम द्वारा चेट्री चण्ड्र शोभायात्रा में स्वच्छता रखने वाली 6 सर्वश्रेष्ठ पंचायतों, समितियों को सम्मानित किया गया। साथ ही एक दीप गुरुजी के नाम एवम दाना, सकोरा, कोटना का वितरण साथ में भण्डारा का आयोजन स्व. अनिल गुरूबक्षाणी चौक जेल रोड में किया गया।

कार्यक्रम में विधायक श्रीचंद सुंदरानी, मोतीराम साहू, अध्यक्ष सिंधी पंचायत महेश दरयानी, श्रीकुमार मेनन, लधाराम नैनवानी, मुरलीधर केवलानी, झामनदास बजाज, बलराम आहूजा, सतराम दास बजाज, मुरली जादवानी, प्रकाश बजाज, सुनील कुकरेजा, डॉ. संतोष जेठानी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

1460 में से 29 गोधाम ही हो पाए शुरू, बार-बार टेंडर के बावजूद नहीं आ रहे गो-सेवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पशुधन विकास विभाग द्वारा प्रदेश में 36 गोधाम की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जिनमें से 29 का पंजीयन छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग में हुआ है। प्रथम चरण में 29 गोधामों का औपचारिक शुभारंभ 14 मार्च को बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड के ग्राम लाखासार से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया था। योजना के तहत राज्य के निराश्रित और घुमंतू मवेशियों के लिए प्रदेश में कुल 1460 गोधाम विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें हर विकासखंड में 10 गोधाम स्थापित किए जाएंगे। प्रथम चरण में 11 जिलों में 29 गोधाम शुरू किए गए हैं। विभाग द्वारा तीन बार टेंडर जारी किया जा चुका है, फिर भी गो-सेवक इसमें रुचि नहीं दिखा रहे हैं। पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गोधाम योजना की प्रशासकीय स्वीकृति 6 अगस्त 2025 को प्रदान की गई थी। योजना का मुख्य उद्देश्य निराश्रित, घुमंतू और जब्त किए गए गोवंश पशुओं का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना है। गोधाम में संरक्षित पशुधन के पोषण आहार, अधोसंरचना निर्माण, चारा विकास, नस्ल सुधार, चरवाहा मानदेय एवं गो-सेवक मानदेय हेतु अनुदान राशि का प्रावधान है। गोधाम की स्वीकृति के लिए प्राथमिकता का आधार जिले की आवश्यकतानुसार कलेक्टर से प्राप्त प्रस्ताव है।

योजना के तहत उन शासकीय स्थलों का पंजीयन किया जाएगा, जहां पहले से पशुधन संरक्षण के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध है। इन स्थलों का पंजीयन छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग के माध्यम से किया जाएगा। गोधामों का संचालन पंजीकृत गोशाला समितियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनजीओ, ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों और सहकारी समितियों द्वारा किया जाएगा।

14 मार्च को मुख्यमंत्री ने किया था 11 जिलों में 29 गोधाम का शुभारंभ

दी जाएगी वित्तीय सहायता

राज्य सरकार द्वारा गोधामों के संचालन के लिए विभिन्न मदों में वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके तहत गोवंश के पोषण आहार के लिए पहले वर्ष 10 रुपए प्रतिदिन प्रति पशु, दूसरे वर्ष 20 रुपए, तीसरे वर्ष 30 रुपए और चौथे वर्ष से 35 रुपए प्रतिदिन की सहायता दी जाएगी। इसके अतिरिक्त अधोसंरचना निर्माण एवं मरम्मत के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपए का प्रावधान रखा गया है। साथ ही चरवाहों को 10,916 रुपए तथा गो-सेवकों को 13,126 रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

हर गौधाम में 200 गोवंश रखे जाएंगे

गोधामों में चारा विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रति एकड़ 47 हजार रुपए प्रतिवर्ष की सहायता प्रदान की जाएगी। अधिकतम 5 एकड़ भूमि तक 2.35 लाख रुपए वार्षिक सहायता का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक गोधाम में लगभग 200 गोवंश को रखने की व्यवस्था निर्धारित की गई है। योजना से सड़कों और गांवों में घूमने वाले निराश्रित पशुओं की समस्या में कमी आएगी तथा गोवंश संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

खबर संक्षेप

जल जीवन मिशन : राज्य सरकार दे चुकी है 3000 करोड़ का अग्रिम राज्यांश

रायपुर। जल जीवन मिशन के कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में ही राज्यांश की 3000 करोड़ रुपए की पूरी राशि अग्रिम के रूप में दे दी गई थी, जिसे उस वित्तीय वर्ष के दौरान मिशन के कार्यों के लिए व्यय किया गया था। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नई दिल्ली द्वारा 536 करोड़ 53 लाख रुपए प्रतिपूर्ति के रूप में जारी किए गए हैं। ज्ञातव्य है कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की अवधि दिसंबर 2028 तक बढ़ा दी है, जिसके तहत अब मिशन-2.0 के तहत काम जारी है। राज्य के ग्रामीण परिवारों को 'हर घर नल से जल' योजना के तहत पाइप के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने कार्य किए जा रहे हैं।

निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सीएम साय ने किया पगारिया का सम्मान

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवान महावीर जैन रिलीफ ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक पगारिया को उनके द्वारा दी जा रही उत्कृष्ट और निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 'जैन रत्न अलंकरण' प्रदान कर सम्मानित किया। राजधानी में हुए कार्यक्रम के दौरान विधायक राजेश मूणत भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे मानवीय कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के वंचित वर्ग को निशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना अत्यंत पुनीत कार्य है। सम्मान ग्रहण करने के बाद ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक पगारिया ने अपने सेवा कार्यों का विवरण साझा करते हुए बताया कि उनके मार्गदर्शन में ट्रस्ट अब तक सेवा के कई कीर्तिमान स्थापित कर चुका है।

सीएलपीएल में क्यूसीआई वॉरियर्स टीम बनी विजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ वेटरन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा छग लीजेंड प्रीमियर लीग के दूसरे संस्करण का आयोजन 28 मार्च से किया गया। प्रतियोगिता में 40 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के 120 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। आठ टीमों ने इसमें सहभागिता निभाई। एसोसिएशन के सचिव तरुणेश सिंह परिहार ने विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि आरडीसीए मैदान में 4 अप्रैल को प्रतियोगिता के फाइनल मैच में क्यूसीआई वॉरियर्स और बिरगांव रॉयल चैलेंजर्स के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 159 रन बनाए, जिसमें नरेश कश्यप ने 36 और रतन भारिया ने 31 रनों का योगदान दिया। वहीं क्यूसीआई वॉरियर्स से जितेंद्र गिरी ने 3 विकेट व अनिमेष शर्मा और कलीम खान ने 2-2 विकेट झटके। क्यूसीआई ने 19.1 ओवर में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाकर रोमांचक तरीके से 2 विकेट से मैच जीत लिया। क्यूसीआई के ओर से कासिम खान ने नाबाद 27 रन तथा कृष्णा द्विवेदी ने 25 रन बनाए। रॉयल चैलेंजर्स बिरगांव के राकेश कल्ला ने 4 विकेट चटकाए।

प्रदेश में इस बार सीजन में डेढ़ लाख से ज्यादा बिकने की अनुमान

युद्ध की आग में एसी भी गर्म, रेट में 20 फीसदी तक इजाफा, फिर भी डिमांड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एसी के दामों पर भी युद्ध की आग का असर दिख रहा है। धीरे-धीरे करके दाम में 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया है। इसके बाद भी गर्मी ज्यादा होने से डिमांड कम नहीं हुई है। प्रदेश में रोज डेढ़ से दो हजार एसी बिक रहे हैं। फरवरी के अंत से लेकर अब तक 60 हजार से ज्यादा बिक चुके हैं। गर्मी के इस सीजन में डेढ़ लाख से ज्यादा एसी बिकने का अनुमान है। एसी की डिमांड गांवों से भी ज्यादा आ रही है। कुल मिलाकर सात सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार एसी का हो जाएगा।

- सवा माह में 60 हजार से ज्यादा बिके

एयर कंडीशनर यानी एसी भी अब खास से आम गया है। एक समय था, जब इसकी डिमांड बड़े शहरों और अमीरों के घरों के लिए होती थी, लेकिन अब एसी की डिमांड बड़े शहरों से हटकर गांवों और छोटे शहरों में भी बढ़ गई है। अब मध्यम वर्ग के घरों में भी एसी एक से ज्यादा लग रहे हैं। यही वजह है कि बीते तीन साल से हर साल 20 से 25 फीसदी कारोबार में इजाफा हो रहा है। इस बार भी कारोबार में 20 से 25 फीसदी तक का इजाफा होने की पूरी संभावना है।

हरिभूमि सरोकार

तीन साल में कारोबार डबल

एसी का कारोबार बड़ा होता है। ब्रांडेड एसी 30 हजार से एक लाख तक के आते हैं। पहले एसी कम बिकते थे, लेकिन बीते तीन सालों से एसी की डिमांड बढ़ गई है। हर साल 15 से 20 हजार एसी ज्यादा बिक रहे हैं। तीन साल पहले प्रदेश में 50 हजार के आस-पास ही एसी बिकते थे, लेकिन जहां 2023 में 65 हजार के आस-पास एसी बिके, वहीं 2024 में 80 हजार बिके हैं। बीते साल सवा लाख एसी बिके हैं। ऐसे में बीते साल 45 हजार एसी ज्यादा बिके। यानी कारोबार में 50 फीसदी का इजाफा हो गया। इस बार डेढ़ लाख से ज्यादा ऐसी बिकने की संभावना है। इसका आगाज भी हो गया है। फरवरी के अंतिम सप्ताह से एसी बिकने का क्रम प्रारंभ हुआ है। मार्च के पूरे माह और अप्रैल के पहले सप्ताह को मिलाकर 60 हजार से ज्यादा एसी बिक गए हैं। अब अप्रैल और मई में एक लाख से ज्यादा एसी बिकने की संभावना है।

दाम बढ़े फिर भी अच्छी डिमांड

युद्ध की वजह से रॉ मटेरियल के कारण एसी के दाम बढ़े हैं, लेकिन इसके बाद भी डिमांड कम नहीं हो रही है। इस सीजन में प्रदेश में डेढ़ लाख एसी बिकने की संभावना है।

राजेश वासवानी, एसी कारोबारी

700 करोड़ का होगा कारोबार

कम और ज्यादा कीमत को देखते हुए एक एसी की औसत कीमत अगर 45 हजार मान लें तो इस सीजन में करीब सात सौ करोड़ का कारोबार हो जाएगा। इस बार तो कीमत में 20 फीसदी का इजाफा भी हो गया है। वैसे बीते साल सितंबर में जीएसटी को एसी पर 28 फीसदी के स्थान पर 18 फीसदी कर दिया गया है। ऐसे में सीजन से पहले 40 हजार का एसी चार हजार रुपए कम में बिक रहा था, लेकिन अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण रॉ मटेरियल और एसी के उपयोग में आने वाले गैस के दाम बढ़ने के कारण एसी की कीमत अप्रैल की स्थिति में 20 फीसदी तक बढ़ गई है। पहले दाम 8 फीसदी तक बढ़े थे, अप्रैल से दाम में 12 फीसदी का और इजाफा कर दिया गया है। इसके दाम में और इजाफा हो सकता है।

निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से झारखंड के मजदूर की मौत

रायपुर। खम्हारडीह थाना क्षेत्र के कचना स्थित एक निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में मिट्टी धंसने से वहां काम कर रहे एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक झारखंड के गढ़वा जिले का रहने वाला था। मिट्टी धंसने की घटना शनिवार की है। मजदूर की मौत मिट्टी में दबने से हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। परिजनों के आने के बाद रविवार को मजदूर का पोस्टमार्टम कर शव उनके सुपुर्द किया गया।

मिट्टी धंसने से गुड्डू रवि नामक मजदूर की मौत हुई है। गुड्डू रवि पेशे से कारपेंटर था। पुलिस के अनुसार, कचना स्थित निर्माणाधीन साइट पर मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मिट्टी धंस गई, जिससे वहां काम कर रहा कारपेंटर रवि मिट्टी के नीचे दब गया। साथी मजदूरों ने उसे निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि वह करीब एक महीने पहले ही यहां आया था और निर्माण स्थल पर कारपेंटर का काम कर रहा था। घटना की सूचना मिलते ही खम्हारडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

- घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र का, मर्ग कायम कर पुलिस जांच में जुटी

सुरक्षा इंतजाम पर सवाल

जानकारी के अनुसार, जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। इस कारण मजदूर की जान चली गई। पुलिस अब इस पहलू से भी जांच कर रही है कि निर्माण कंपनी द्वारा सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद यदि किसी प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

16 अप्रैल से मकानों की गिनती, घर पर न हों तो ऑनलाइन भर सकते हैं फार्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जनगणना-2027 के पहले चरण में राज्य में 16 अप्रैल से मकानों की गिनती शुरू होगी। इस दौरान घर के सदस्यों की संख्या, मुखिया का नाम और मकान कच्चा है या पक्का, ये जानकारी दर्ज की जाएगी। इसके अलावा घर में उपलब्ध बड़े सामान का भी ब्योरा लिया जाएगा। इस बार की जनगणना में लोगों के लिए ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए 16 से 30 अप्रैल के बीच खुद ऑनलाइन फॉर्म भरने (स्व-गणना) का विकल्प दिया गया है। इससे उन परिवारों को राहत होगी, जो नौकरी या अन्य कारणों से दिन में घर पर नहीं रहते हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस स्थिति से बचने का सबसे आसान तरीका है खुद ऑनलाइन फॉर्म भरना, ऑनलाइन जनगणना के तहत के लिए सिर्फ 15 दिनों तक विंडो खुली रहेगी। जनगणना का स्वगणना पत्रक ऑनलनाइन भरने के बाद 11 अंकों की एक आईडी मिलेगी। जब प्रगणक घर आएंगे तो उन्हें सिर्फ वो आईडी बतानी होगी, इससे जनगणना के डेटा सही और तथ्यात्मक रहेंगे।

- 53 हजार प्रगणक जनगणना पत्रक भरने घर-घर पहुंचेंगे

1 मई से घर-घर दस्तक देंगे प्रगणक

30 अप्रैल तक स्वगणक पत्रक भरने के बाद जनगणना निदेशालय के प्रगणक 1 मई से पूरे छत्तीसगढ़ में घर-घर पहुंचेंगे। जिन लोगों ने ऑनलाइन स्वगणना पत्रक भरे होंगे, उनसे आईडी लेकर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिन लोगों ने ऑनलाइन जनगणना पत्रक नहीं भरे, उनसे प्रत्यक्ष रूप से जानकारी लेकर पत्रक भरे जाएंगे। प्रदेशभर से 53 हजार प्रगणक जनगणना पत्रक भरने के लिए घर-घर पहुंचेंगे। पहले चरण की प्रक्रिया महीनेभर चलेगी।

जो जहां रहता है, उसकी देनी होगी जानकारी

जनगणना का पहला चरण मकानों की गिनती और वहां रहने वाले लोगों की जानकारी एकत्र करने से जुड़ा है। यदि एक व्यक्ति के एक से अधिक मकान हैं तो वह जिस मकान में रहता है, सिर्फ वहीं की जानकारी देनी होगी। बाकी के मकान किराए पर दिए गए हैं तो किरायेदार ही वहां की जानकारी देंगे। जनगणना निदेशालय के अफसरों के अनुसार, इससे फर्क नहीं पड़ता कि मकान में उसका मालिक रह रहा है या किरायेदार।

जनरल स्टोर्स में चाकू की बिक्री, कारोबारी गिरफ्तार

रायपुर। गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने आर्मी सामान तथा जनरल स्टोर्स की आड़ में चाकू के अवैध कारोबार को अंजाम देने वाले एक दुकानदार के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए आठ नग चाकू जब्त किए हैं। गिरफ्तार कारोबारी पश्चिम बंगाल से पार्सल के जरिए धारदार बटन वाले चाकू मंगवाकर बेच रहा था। पुलिस ने उक्त कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की।

पुलिस ने फाफाडीह स्थित जीपीएस जनरल स्टोर्स के संचालक हर्षिल जैन को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की सप्लाई चेन की जांच की जा रही है। जांच में खुलासा हुआ है कि हर्षिल ऑनलाइन निगरानी और कार्रवाई से बचने के लिए चाकू सीधे ऑनलाइन प्लेटफार्म से नहीं मंगवाता था। वह पश्चिम बंगाल की दुकानों से चाकू खरीदवाकर कुरियर के माध्यम से पार्सल में मंगवाता था। इन चाकुओं को अन्य सामान के बीच छिपाकर भेजा जाता था, ताकि किसी को उस पर संदेह न हो।

- गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने जनरल स्टोर्स से आठ चाकू किए जब्त

रिकार्ड के साथ लाइसेंस नहीं : चाकू खरीदी-बिक्री से संबंधित दस्तावेज, बिल, स्टाक रजिस्टर या लाइसेंस मांगे जाने पर कारोबारी दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं किया कि ये चाकू किन लोगों को बेचे गए थे। पुलिस को आशंका है कि इन चाकुओं की सप्लाई असामाजिक तत्वों और अपराधियों को की जा रही थी।

ठंडी हवाओं और सुबह की बारिश से तीन डिग्री तक लुढ़का पारा, उमस वाली गर्मी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ठंडी हवाओं और सुबह की बारिश के बाद शहर का पारा तीन डिग्री तक लुढ़क गया। इसके बाद मौजूद नमी के असर से उमस वाली गर्मी ने थोड़ा परेशान किया। मौसम का बदलाव होने की वजह से राज्य का अधिकतम तापमान 37 से 31 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। सक्रिय होने वाले नए सिस्टम के प्रभाव से अगले तीन दिन राज्य के मौसम में बदलाव होने की उम्मीद बनी हुई है।

- मौसम का बदलाव, 37 से 31 डिग्री के बीच राज्य का तापमान

अप्रैल के बीते 5 दिनों में गर्मी बड़ा असर नहीं दिखा पाई है। हालांकि नमी के प्रभाव से धूप बेचैनी महसूस करा रही है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के मौसम में बदलाव नजर आया और कई इलाकों में बारिश हुई। मुख्य तौर पर नांगुर में 3 और जगदलपुर में 1 सेमी. बारिश हुई। कोंडागांव जिले में बिजली गिरने से पांच मवेशियों ने जान गंवा दी। इधर सुबह से राजधानी समेत रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर में हल्की से मध्यम वर्षा हुई। बूंदाबांदी और तेज हवा के असर से दिन का तापमान बहुत अधिक नहीं चढ़ पाया। दोपहर का अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री पर सिमट गया।

इस दौरान निकली धूप और नमीयुक्त हवा से वातावरण में चिपचिपाहट महसूस हुई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अगले तीन दिनों तक राज्य में गर्मी का तेज प्रभाव रहने की संभावना काफी कम है। सोमवार को राज्य के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं। कुछ एक स्थानों पर गरज-चमक होने और अंधड़ चलने के साथ वज्रपात अथवा ओलावृष्टि के आसार बन रहे हैं। ओलावृष्टि का क्षेत्र मुख्यतः मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ रहने की संभावना है। इससे अधिकतम तापमान में कमी आने के आसार है। इसके साथ ही 7 अप्रैल को सभी संभागों में तथा 8 अप्रैल को दक्षिण छत्तीसगढ़ में मुख्यतः वर्षा संभावित है।

100 बिस्तर की क्षमता वाला तीन मंजिला अस्पताल, मानव संसाधन की बड़ी चुनौती

दो साल में आकार लेगा सरोना अस्पताल, ब्लड बैंक आईसीयू के साथ बर्न यूनिट का भी होगा इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

करीबन 6 लाख आबादी को राहत देने वाले 100 बेड के सरोना अस्पताल में जिला अस्पताल की तरह सुविधाओं के साथ ब्लड बैंक, आईसीयू के साथ बर्न यूनिट का इंतजाम भी होगा। तीन मंजिला इस भवन में डॉक्टरों सहित अन्य मानव संसाधन की व्यवस्था बड़ी चुनौती होगी। वर्तमान में रायपुर जिले में डॉक्टरों के 46 पद खाली हैं।

सरोना अस्पताल भवन का निर्माण शुरू हो चुका है और अगले दो साल में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक सौ बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल में जिला अस्पताल की तर्ज पर ऑपरेशन थियेटर, सामान्य और सी सेक्शन का प्रसव, जनरल सर्जरी, इमरजेंसी सेवाएं, पैथोलॉजी लैब, मातृ और शिशु स्वास्थ्य, नेत्र ओपीडी वार्ड जैसी सुविधाएं रहेगी। इसके अलावा ब्लड बैंक और जलने और झुलसने वाले मरीजों के इलाज के लिए बर्न यूनिट भी प्रारंभ किया जाएगा। वर्तमान में रायपुर जिला अस्पताल में बर्न यूनिट नहीं है। झुलसने वाले मरीजों को इलाज के लिए डीके अस्पताल के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग अथवा निजी अस्पतालों में जाकर इलाज कराना पड़ता है। सरोना में यह सुविधा होने के बाद अति गंभीर मरीजों को छोड़कर शेष मरीजों का इलाज यहां भी संभव हो पाएगा। इसी तरह सरोना अस्पताल में ब्लड बैंक शुरू होने के बाद क्षेत्र के मरीजों को आपात स्थिति में रक्त के इंतजाम के लिए निजी अथवा काफी दूर स्थित शासकीय ब्लड बैंक तक नहीं जाना होगा। तीन मंजिला भवन में आकार लेने वाले इस अस्पताल में इलाज के लिए मानव संसाधन की व्यवस्था बड़ी चुनौती होगी। वर्तमान में रायपुर जिले में चिकित्सा विशेषज्ञ के 58 पद हैं, जिसमें से 32 खाली हैं। वहीं चिकित्सा अधिकारियों के 108 पदों में 14 डॉक्टरों की कमी है।

नहीं सुलझा राखी अस्पताल का मामला

स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नवा रायपुर में राखी के 100 बिस्तर के अस्पताल का काम शुरू नहीं हो पाया है। इसके लिए चिन्हित जमीन के शुल्क पर मामला अटका हुआ है। राखी अस्पताल के निर्माण के लिए 18 करोड़ से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। अस्पताल के लिए जमीन देने एनआरडीए द्वारा बड़ी राशि की मांग की गई है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, सोमवार 6 अप्रैल 2026
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

प्रभु यीशु की क्रूस यात्रा को 80 युवाओं ....

लाइव इवेंट

सेना भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 10 अप्रैल तक आवेदन

रायपुर। भारतीय सेना में भर्ती के इच्छुक युवाओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ाकर अब 10 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। पूर्व में यह प्रक्रिया 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक निर्धारित थी। जिसे अब अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाया गया है। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट https://www.joinindianarmy.nic.in/ पर उपलब्ध है। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत अग्निवीर श्रेणी में विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिनमें अग्निवीर (जनरल ड्यूटी), अग्निवीर (तकनीकी), अग्निवीर (लिपिक/स्टोरकीपर), अग्निवीर (ट्रेडमैन 10वीं/8वीं), अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) इसके अतिरिक्त स्थायी कैडर के अंतर्गत नर्सिंग सहायक सिपाही फार्मा, हवलदार (सेना शिक्षा) धर्म शिक्षक के पद भी शामिल हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती के लिए आवेदन 16 अप्रैल तक

एकीकृत बाल विकास परियोजना कोटा अंतर्गत करगीकला के ग्राम पंचायत मनपहरी के आंगनबाड़ी केंद्र मनपहरी 01 में कार्यकर्ता के 1 रिक्त पद के लिए ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट **https://aww.e-bharti.in/**में जाकर किए जा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन विभागीय वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं।

चयन योग्यता के आधार पर किया जाएगा

किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय नया रायपुर (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के पास) टेलीफोन नंबर 0771-2965212, 2965214 पर संपर्क कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है और चयन केवल योग्यता के आधार पर किया जाएगा। अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार के दलालों या एजेंटों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

कला केंद्र में 15 अप्रैल से समर कैंप, कला के विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में मिलेगा प्रशिक्षण

समर कैंप में 26 कलागुरुओं की टीम प्रतिभागी स्कूली बच्चों और कला प्रेमियों की निखारेंगी प्रतिभा

समर सीजन में आयोजित होने वाले कला-प्रशिक्षण शिविरों की तैयारियां जोरों पर हैं। शहर के जीई रोड स्थित कला केंद्र में समर कैंप का पहला सीजन 15 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इसमें विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में स्कूली बच्चों से लेकर युवा, बुजुर्ग सभी पंजीयन करा सकेंगे। विशेषकर स्कूल शिक्षण सत्र के समापन के साथ ही समर कैंप की क्रिएटिव व मनोरंजक क्लासेस को लेकर बच्चे उत्साहित हैं।

रायपुर। कला केंद्र के प्रबंधन टीम के सदस्य राहुल यादव एवं कला गुरु राहुल ठाकुर का कहना है कि वैसे तो कला केंद्र में नियमित कला प्रशिक्षण पूरे साल चलता है, लेकिन गर्मियों के छुट्टियों में नए प्रतिभागियों के लिए स्पेशल समर कैंप का आयोजन किया जाता है। इस बार समर कैंप प्रतिभागियों के लिए खास होने वाला है। इसको लेकर कला केंद्र प्रबंधन टीम ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वहीं, 4 अप्रैल से समर कैंप की पंजीयन भी शुरू कर दिया गया है। इस बार 4 नए विधा भी जोड़े गए हैं। इसमें मेहंदी-रंगोली, आर्ट एंड क्राप्ट, अबेकस और शतरंज विधा को शामिल किया गया है। साथ ही कला केंद्र में पहले 22 कला गुरुओं की टीम थी, जिसे बढ़कार अब 26 कर दिया गया है। कला प्रतिभाओं को कला के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कला केंद्र की शुरुआत की गई है। यह केंद्र बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभरा है। समर कैंप में अनुभवी ट्रेनर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेंगे।

24 से अधिक विधाओं में प्रशिक्षण

इस समर कैंप में प्रतिभागियों को कला केंद्र में 24 से अधिक विधाओं में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समर कैंप और नियमित कक्षाओं के तहत संगीत गायन, तबला, हारमोनियम, सितार, कीबोर्ड, ड्रम, नृत्य डांसिंग, कथक, वेस्टर्न, चित्रकला, योग, शतरंज, ताइक्वांडो और स्पोकन इंग्लिश जैसे रचनात्मक कौशल में दक्ष बनाने प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा समर कैंप के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

तीन चरणों में हो रहा आयोजन

समर कैंप का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है। पहला चरण 15 अप्रैल से शुरू होगा और यह 30 अप्रैल तक चलेगा। दूसरा चरण 1 मई से 15 मई और तीसरा चरण 16 मई से 30 मई तक आयोजित किया जा रहा है। समर कैंप में रोजाना सुबह 7.30 बजे से सुबह 9.30 बजे तक कक्षाएं संचालित होंगी। समर कैंप में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 110 रुपए हैं। इसके अलावा ट्रेनिंग फीस 500 रुपए निर्धारित किए गए हैं। समर कैंप में सीमित संख्या में सीट हैं, इसलिए इच्छुक प्रतिभागियों से जल्द रजिस्ट्रेशन करवाने की अपील की गई है।

पैरेंट्स पंजीयन कराने पहुंच रहे

जीई रोड स्थित कला केंद्र में इस समर सीजन के लिए गीत-संगीत, वादन, नृत्य, चित्रकला जैसे रचनात्मक गतिविधियों के लिए पंजीयन प्रारंभ हो चुके हैं। कला केंद्र में पैरेंट्स अपनी बच्चों की बड़ी संख्या में पहले से ही पंजीयन करा रहे हैं। कला केंद्र के प्रबधन टीम ने बताया कि समर कैंप के पहले सीजन के लिए पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। वहीं, कला केंद्र में सभी विधाओं के कला गुरुओं की भी उपस्थिति सुनिश्चित करने, कला प्रशिक्षण की समय सारिणी भी बना ली गई है।

सिटी इवेंट

पहली बार साइकिलिंग जागरूकता के लिए 40 राइडर्स ने 3 घंटे में चला दी 1800 किमी साइकिल

रायपुर। राजधानी के सबसे पुराने साइक्लिंग ग्रुप 'टूर द रायपुर' के सदस्यों ने रविवार को शहर में साइक्लिंग के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया। ग्रुप के राइडर्स ने मिलकर सामूहिक रूप से 1500 किलोमीटर साइकिल चलाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन सदस्यों का उत्साह इतना हाई था कि यह आंकड़ा 1800 किलोमीटर के पार पहुंच गया। यह छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार है, जब किसी साइक्लिंग क्लब के लगभग 40 सदस्यों ने एक साथ मिलकर महज 3 घंटे के भीतर 1500 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करने का कारनामा किया है। रैली की शुरुआत रविवार सुबह 5:30 बजे वीआईपी रोड स्थित राम मंदिर से हुई। यह यात्रा नया रायपुर स्थित 'सेंध लेक' तक गई। वहां सभी सदस्यों ने फोटो सेशन किया और फिर उसी रास्ते से वापस राम मंदिर लौटकर रैली का शानदार समापन किया।

महिला राइडर्स ने भी दिखाया दम

साइक्लिंग के इस जुनून में महिलाएं भी पीछे नहीं रहीं। महिला राइडर करिश्मा शर्मा ने 50 किलोमीटर और लिपी जैन ने 31 किलोमीटर की राइड पूरी कर पुरुष साथियों से कंधे से कंधा मिलाकर इस मिशन को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में 'टूर द रायपुर' के संस्थापक सदस्य शर्भेष शुभम, ललित जोबनपुत्रा और आलोक ने इस ऐतिहासिक राइड में शामिल होने वाले सभी साथी राइडर्स के जज्बे की सराहना की।

चिराग, सुरेश और शर्भेष ने लगाई सेंचुरी

इस 'मिशन 1500 किमी' को सफल बनाने में सभी राइडर्स ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। सबसे ज्यादा दूरी तय करने वालों में चिराग गोहिल सबसे आगे रहे, जिन्होंने 103 किलोमीटर साइकिल चलाई। वहीं, सुरेश दुआ और शर्भेष शुभम ने 100-100 किलोमीटर की बेहतरीन राइड पूरी की। इनके अलावा डॉ. मनोज ने 81 किमी, आईपी साहू ने 77 किमी, अमरजीत सिंह और इन्द्रसेन अग्रवाल ने 66-66 किमी, जैनेन्द्र जैन ने 63 किमी तथा विवेक सान्याल, मानव खुराना व नवीन रिझारिया ने 60-60 किलोमीटर की राइड की। ग्रुप के अन्य कई सदस्यों ने भी 50 किलोमीटर से ज्यादा का आंकड़ा पार किया।

गर्मी में अब छाते और स्कार्फ का सहारा

रायपुर। राजधानी में तापमान बढ़ने के साथ ही दोपहर में बाहर निकलने वाले लोगों ने धूप से बचने के लिए पूरे इंतजाम कर लिए हैं। अब लोग छाता व चेहरे पर स्कार्फ का उपयोग अधिक कर रहे हैं।

मृदंग नाद संगीत का आयोजन 12 को, सुरीले नगमों से सजेगी शाम

रायपुर। शहीद स्मारक भवन में 12 अप्रैल को सितारों की महफिल मृदंग नाद संगीत कार्यक्रम का आयोजन होगा। मृदंग ग्रुप के द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से प्रारंभ होगा। ग्रुप के संरक्षक ईशांत सोनी एवं संचालक अनुराग सिंह ठाकुर ने बताया कि संस्था के 1 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य संगीतोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शहर व प्रदेश भर से गायक और वाद्ययंत्र वादक कलाकारों का ग्रुप भाग लेंगे। कार्यक्रम में 8 म्यूजिशियन की टीम लाइव बैंड की भी प्रस्तुति देंगी। इस तरह से शहर के संगीतप्रेमियों के लिए गीत-संगीत का आनंद उठाने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे एवं शंकराचार्य महाविद्यालय के चेयरमैन निशांत त्रिपाठी होंगे। गायक टीम में मुकेश फतनानी, प्राची बाजपेयी, शालू, राहुल लखानी, गजेंद्र वर्मा, विनय वर्मा होंगे। वहीं, म्यूजिशियन के तौर पर यश यदु, रतन बारिक, आशुतोष, सत्येंद्र कुमार, मनोज, दीपशिखर, अनिल केमे, हुपेंद्र साहू रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि सभी दर्शकों के लिए कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रखा गया है। साथ ही संगीतप्रमियों से अधिक संख्या में आने की अपील की गई है।

गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट 2026 का आगाज, देशभर से खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

कार्नर न्यूज

गोंडवाना कप के क्वालीफाइंग के रोमांचक मुकाबलों में छग के तीन खिलाड़ियों ने मारी बाजी, मुख्य ड्रॉ में किया प्रवेश

रायपुर। जोरा स्थित टेनिस स्टेडियम में रविवार को गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट 2026 का शानदार आगाज हुआ। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का देशभर के खिलाड़ियों को बेसब्री से इंतजार रहता है। यही वजह है कि इसमें हिस्सा लेने के लिए इस बार भी देश के विभिन्न राज्यों से बेहतरीन खिलाड़ी रायपुर पहुंचे हैं। यह टूर्नामेंट ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान और छत्तीसगढ़ स्टेट टेनिस एसोसिएशन के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया। इस विशेष अवसर पर हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु द्विवेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा, जिला पंचायत अध्यक्ष सौरभ साहेब, मनोरमा इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर श्रेयस सराफ, पीडब्ल्यूडी के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राजीव नशीने, अवतार जुनेजा, एडवोकेट नरेश गुप्ता और छग प्रदेश टेनिस संघ के उपाध्यक्ष सुशील बालानी भी शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन छग टेनिस संघ के उपाध्यक्ष रूपेंद्र सिंह चौहान ने किया।

आज से शुरू होंगे मुख्य दौर के मुकाबले

गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट में रविवार को क्वालीफाइंग राउंड समाप्त होने के बाद, अब सोमवार से टूर्नामेंट के मुख्य दौर के रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, मुख्य दौर के लिए पुरुष वर्ग में महाराष्ट्र के शानदार खिलाड़ी प्रसाद इंगले को प्रथम वरीयता (टॉप सीड) और तेलंगाना के नासिक रेड्डी गंगम्मा को द्वितीय वरीयता दी गई है। वहीं, महिला वर्ग के मुकाबलों में राजस्थान की आयुषी तंवर को प्रथम और तेलंगाना की थानिया गोगुलामुंडा को द्वितीय वरीयता प्राप्त है।

छत्तीसगढ़ के तीन खिलाड़ियों ने मारी बाजी, मुख्य ड्रॉ में किया प्रवेश

गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट में रविवार का दिन बेहद रोमांचक रहा। स्पर्धा के पुरुष एकल वर्ग में क्वालीफाइंग के अंतिम दौर के कड़े मुकाबलों के बाद आठ बेहतरीन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह पक्की कर ली है। इन मुकाबलों में मेजबान छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना दबदबा बनाया है। रविवार को कोर्ट पर हुए इन कड़े मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज कर मुख्य ड्रॉ (मेन ड्रॉ) में पहुंचने वाले खिलाड़ियों में छत्तीसगढ़ के तीन होनहार खिलाड़ी वरुण तिवारी, सार्थक सुंदरानी और आरिज खान शामिल हैं। ओडिशा से आए प्रत्युष मोहंती और हरियाणा के आर्यन जॉली ने भी अपने-अपने मैच जीतकर मुख्य दौर का टिकट कटाया। वहीं, उत्तर प्रदेश के दो खिलाड़ियों अक्षीत कौशिक और हेमंत कुमार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के रोहन मोंडल ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए मुख्य ड्रॉ में प्रवेश हासिल कर लिया है।

सिटी लाइव

भारतीय व्यंजनों से दूर हो रहे जनरेशन को सेहत और संस्कृति से जोड़ने कॉलेज प्रोफेसर की अनूठी पहल

रायपुर। दुनिया भर में भारतीय व्यंजनों की खास मान्यता व पहचान है। इसमें संस्कृति क्षेत्र-विशेष के स्वाद, सेहत और परंपरा की झलक मिलती है। भारतीय भोजन तैयार करने और उसे ग्रहण करने की कला अन्न के प्रति आदर, पोषण, बेहतर पाचन और इम्यूनिटी बढ़ाने का अनूठा मिश्रण है। लेकिन, वर्तमान समय में बदलती खान-पान की शैली ने नए जनरेशन को भारतीय व्यंजनों से दूर कर रही है। ऐसे में देशी भोजन से जुड़ी संस्कृति क्षेत्र-विशेष के स्वाद, सेहत और परंपरा से लोगों को जोड़े रखने व महत्व के प्रति जागरूक करने का बीड़ा शहर के दुर्गा कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेश सिन्हा ने उठाया है। वह रोजाना भारतीय संस्कृति व परंपरा के अनुरूप भोजन तैयार करने और उसे ग्रहण करने की कला को अपनाए हुए हैं और अपने आस-पास के लोगों को भी जुड़े रहने जागरूक कर रहे हैं। सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेश सिन्हा बताते हैं कि वह फर्श पर बैठकर खाना और हाथ से खाना, पाचन को सुधारता है और यह घर का बना ताज़ा भोजन होता है। भोजन को प्रसाद के रूप में देखना और शांत वातावरण में खाना चाहिए। वह बचपन से अपने भारतीय भोजन कला, संस्कृति व परंपरा का अनुसरण करते आ रहे हैं। मैं अपने आस-पास लोगों को देख रहा हूं कि वे देशी भोजन संस्कृति से दूर होने के कारण तेजी से पोषण व सेहत से जुड़ी समस्याओं के शिकार हो रहे हैं। इसलिए अपने आस-पास के युवाओं व सोसाइटी को देशी भोजन के महत्व व परंपरा के प्रति जागरूक करने का संकल्प किया है।

सोशल मीडिया के माध्यम से कर रहे जागरूक

सोसाइटी में दोस्तों, छात्रों और रिश्तेदारों से बातचीत कर और सोशल मीडिया के माध्यम से स्वयं भोजन कला का अनुसरण करते तस्वीर व वीडियो शेयर कर जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे काफी लोगों में बदलाव आया है। वे सभी भारतीय भोजन की संस्कृति से फिर से जुड़कर उत्साहित और सेहतमंद बन रहे हैं।

दादी की सीख से आया विचार

सहायक प्राध्यापक डॉ. लोकेश सिन्हा ने बताया कि बचपन में उनकी दादी मां सिखाती थी कि भोजन करते समय शांत रहते हैं, जमीन पर बैठकर, अन्न को प्रमाण के पश्चात ग्रहण करते हैं। घर का बना हुआ सात्विक भोजन सेहत व पोषण देता है। भोजन को मन लगाकर खाते हैं। अन्न बहुत मेहनत से प्राप्त होता है, इसलिए इसका आदर व सही से सेवन करना चाहिए। इसी से विचार आया कि लोगों को भोजन का महत्व व हमारी संस्कृति-परंपरा से जोड़ा जाए। मैंने देखा कि लोग लगातार फास्ट फूड, पैकेट फुड्स को अधिक मात्रा में अपने खानपान में शामिल कर रहे हैं। भोजन को खड़े होकर अशांत मन से कहीं भी, कभी भी खा रहे हैं। वहीं, जमीन पर बैठकर खाने की जगह टेबल कुर्सियों और हाथों की जगह चम्मच का प्रयोग कर रहे हैं।

समाज इवेंट

जन्मशताब्दी वर्ष के लिए गायत्री परिवार ने भी तय की रूपरेखा

रायपुर। माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी वर्ष 2026 में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा विविध आयोजन किए जाएंगे। इनमें सामूहिक गायत्री साधना, अनुष्ठान, यज्ञ, ज्योति कलश यात्राएं, आध्यात्मिक सत्संग, श्रम साधना, योगाभ्यास और सामाजिक आयोजन शामिल हैं। सबसे पहले साधना के लिए तय कार्यक्रम में सवा-सवा लाख का संकल्प लिया गया है। यह बात हरिद्वार से रायपुर आए ऋषि पुत्र सुखदेव निर्मलकर ने कहीं। उन्होंने रायपुर उपजोन के अंतर्गत आयोजित बैठक में परिजनों को संबोधित करते हुए बताया कि माताजी के जन्मशताब्दी वर्ष में प्रथम चरण में वैरागी दीप में साधना संकल्प के रूप में आयोजन किया था, जो बेहतर ढंग से गुरुदेव के आशीर्वाद से संपन्न हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ से 4 हजार 80 कार्यकर्ता पहुंचे, इनमें 1120 समयदानी थे।

हरिद्वार के निर्देशन में छत्तीसगढ़ में होंगे आयोजन

उन्होंने आगे बताया कि हरिद्वार के वैरागी द्वीप में परिजनों ने 80 प्रकार के सद संकल्प लिए हैं। उसमें से बहुत से संकल्पों का काम पूरा करना है, इसके लिए चर्चा हुई। उपजोन स्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ जोन की समन्वयक आदर्श वर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि जाति-पाती के रिश्ते को गायत्री परिवार के माध्यम से गुरुदेव ने दूर किया। आज गायत्री परिवार की माताएं और बहनें बड़े-बड़े मंचों पर आयोजन कर रही हैं। अगस्त के आसपास राज्य स्तरीय कार्यक्रम हरिद्वार के निर्देशन में छत्तीसगढ़ में भी होगा। इसके लिए गायत्री परिवार ट्रस्ट के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और उनकी टीम से स्थान तय करने पर चर्चा हुई।

● राजधानी के सेंट पॉल्स चर्च में सप्ताहभर निभाई गई परंपरा, समाज प्रमुखों की अगवाई में सपरिवार हुए शामिल

प्रभु यीशु की क्रूस यात्रा को 80 युवाओं ने नाट्य मंचन से किया जीवंत, अपनों की याद में जलाई कैंडल

मसीही समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु के जीवन से जुड़े पहलू को नाट्य मंचन के माध्यम से देखने उत्साह से सेंट पॉल्स चर्च परिसर में सजाए गए मंच के सामने दर्शक दीर्घा का हिस्सा बने। इनके सामने प्रदेशभर में वालंटियर्स के रूप में काम करने वाले 80 युवाओं की टीम ने प्रभु यीशु की पवित्र क्रूस यात्रा की भक्तिपूर्ण शुरुआत शनिवार की रात में की। इस आयोजन के लिए रंगीन लाइटों से सजाए गए आकर्षक स्टेज पर मजे हुए कलाकारों ने प्रभु यीशु के दुख भोग और बलिदान से जुड़े हर पहलू को संवादों के जरिए पेश किया।

रायपुर। इस दौरान प्रभु यीशु द्वारा की गई मौन प्रार्थना को गीतों के जरिए भी पेश किया गया। एक-एक दिन प्रभु यीशु द्वारा क्रूस यात्रा के दौरान किस तरह की स्थितियों का सामना किया और मानव जीवन को संजोने के लिए दिए गए संदेश नाट्य मंचन के दौरान संवाद का हिस्सा बने। इसे देखने के लिए दर्शक दीर्घा में समुदाय के सैकड़ों लोग मौजूद थे। इस दौरान सेंट पॉल कैथेड्रल द्वारा ईस्टर दिवस पर शनिवार की रात 9 से 11 बजे तक नाट्य मंचन का अवसर प्राप्त किया। इसके बाद अपनों की याद में आराधना के लिए अरविंद नगर प्रभु की वाटिका कब्रिस्तान में पहुंचे। जहां कलीसिया के सदस्यों के साथ महिला सभा, जवान सभा पॉस्ट्रेट कमेटी के सदस्यों द्वारा किया गया। साथ ही कलीसिया के सभी मेंबर्स परिजनों के कब्र पर भाव अर्पित करने के लिए पहुंचे।

पॉस्टर मोजेस के मार्गदर्शन में दी गई प्रस्तुति

इससे पहले नाटक ईस्टर कन्टाटा के माध्यम से प्रभु यीशु मसीह के क्रुसीकरण से पहले किए गए संवादों और जीवों की सेवा के लिए दिए गए संदेश को मंचीय कलाकारों ने पेश करते हुए लोगों से वाहवाही लूटी। वहीं, लोगों को प्रभु यीशु मसीह के दुखभोग के रहस्य पर और गहराई से चिंतन करने का भी अवसर मिला। जिसमें पवित्र सप्ताह के महत्व और प्रभु यीशु मसीह द्वारा सही गई यातनाओं को नाट्य प्रस्तुति के जरिए पेश किया। इस नाट्य मंचन में अलग-अलग किरदारों को प्रदेशभर के युवा कलाकारों ने पॉस्टर मोजेस के मार्गदर्शन में जीवंत किया।

इन कब्रिस्तानों में पहले से की गई थी तैयारी

आधी रात से ही समुदाय के लोगों का समूह कब्रिस्तान में कैंडर जलाने और प्रार्थना करने के लिए अरविंद नगर और पुलिस लाइन स्थित कब्रिस्तान में परिवार के साथ पहुंचने लगे। समाज प्रमुखों ने बताया कि इससे पहले सभी कब्रिस्तानों में संबंधित परिवार के लोगों द्वारा साफ-सफाई के सहित लाइटिंग की गई थी।

पूर्वजों की कब्र पर सभी ने अर्पित की भावनाएं

सेंट पॉल्स सहित सभी चर्चों से जुड़े मसीही समुदाय के लोगों ने शनिवार की मध्यरात्रि के बाद कब्रिस्तान में पूर्वजों की याद में कैंडल जलाने के लिए पहुंचे। रात तीन बजे से सूर्योदय के पहले यानी पांच बजे तक यह सिलसिला चलता रहा। विशप सुषमा कुमार, सचिव नीतिन लॉरेन ने बताया कि लोगों की ऐसी मान्यता है कि जिस तरह से क्रूस यात्रा के बाद प्रभु यीशु लोगों की सेवा के लिए दुनिया में आए, उसी तरह पूर्वज भी हमारे बीच भावनात्मक रूप से आते हैं, इसलिए लोग उनके प्रति अपने भावनाओं को व्यक्त करने के लिए अपनों की कब्र पर जाते हैं। कब्र पर फूल, अगरबत्ती अर्पित करने के बाद कैंडल जलाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

नटरंग महोत्सव में 4 साल के नन्हे बच्चों से लेकर 45 वर्ष के कलाकारों ने सुर और ताल से बांधा समां

वादन और लाइव कथक की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। इंडियन आर्ट एंड कल्चर प्रोग्राम- नटरंग का तीसरा दिन पूरी तरह से भारतीय शास्त्रीय कलाओं के नाम रहा। रविवार को कार्यक्रम में सुर, ताल और घुंघरुओं की ध्वनि से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग और रायपुर से आए कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत (गायन), वादन और कथक नृत्य की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां देकर पूरे माहौल को कलामय बना दिया। रविवार को रिकॉर्डेड गानों के बजाय, मंच पर तबले की थाप, हारमोनियम की गूंज और लाइव गायन के बीच जब कलाकारों ने कथक के भाव और पदचाप प्रस्तुत किए तो पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। शास्त्रीय गायन और वादन में राग-रागनियों का ऐसा शुद्ध रूप देखने को मिला, जिसने भारतीय संस्कृति की गहराई का अहसास कराया।

79 प्रस्तुतियों का दिखा महाकुंभ

नटरंग के मंच पर रविवार को कुल 79 प्रस्तुतियां हुईं। इसमें 71 प्रस्तुतियां प्रतियोगिता के अंतर्गत और 8 प्रस्तुतियां विशेष 'फेस्टिवल प्रेजेंटेशन' के रूप में हुईं। हर एक प्रस्तुति में कलाकारों की महीनों की कड़ी मेहनत और कला के प्रति उनका समर्पण साफ झलक रहा था। अलग-अलग शहरों से आए कलाकारों के बीच एक स्वस्थ और कड़ा मुकाबला देखने को मिला। नटरंग का यह मंच कला के जरिये पीढ़ियों को जोड़ने वाला साबित हुआ। अनुभवी कलाकारों ने अपनी परिपक्वता, भाव-भंगिमा और शास्त्रीय व्याकरण की बारीकियों से सबको हैरान कर दिया। बिलासपुर, कोरबा, दुर्ग और रायपुर जैसे शहरों से इतनी बड़ी संख्या में शास्त्रीय कलाकारों ने हिस्सा लिया।

जुम्बा, योगा और मेडिटेशन में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

रायपुर। शहर के अनुपम गार्डन में रविवार को सुबह सात बजे से विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों का निःशुल्क जुम्बा क्लास में उत्साह देखने लायक था। वंडर किड्स अकेडमी ने निःशुल्क जुम्बा, मेडिटेशन एवं योगा सेशन के सफल आयोजन से लोगों को जोड़ने का प्रयास किया। इसमें बच्चों एवं अभिभावकों ने उत्साह से भाग लेते हुए जुम्बा, योगा एवं मेडिटेशन का आनंद लिया। यह सत्र केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि स्वास्थ्य, फिटनेस और मानसिक संतुलन के महत्व को समझाने का भी एक प्रभावी प्रयास रहा। इसमें विद्यालय की प्राचार्य पल्लवी मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अभिषेक मिश्रा उपस्थित रहे, जिन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि फिटनेस के प्रति जागरूकता ही एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण की नींव है।

अभिभावकों को जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास

आयोजन के दौरान उपस्थित सभी अभिभावकों एवं बच्चों ने इस पहल की सराहना की और इसे एक सकारात्मक एवं ऊर्जा से भरपूर अनुभव बताया। विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की सक्रिय सहभागिता से यह आयोजन और भी सफल रहा। इस प्रकार की पहल बच्चों के समग्र विकास के साथ अभिभावकों को भी जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है। इससे फिटनेस, बॉन्डिंग और पॉजिटिव लाइफ स्टाइल को बढ़ावा मिलता है। विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में इस प्रकार के नवाचारी एवं स्वास्थ्यवर्धक आयोजन की निरंतरता बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्नर न्यूज

● लभांडी स्थित अग्रसेन धाम में दो दिवसीय सम्मेलन के अंतिम दिन प्रदेश के अग्रवाल समाज ने किया मंथन

स्कूल खोलने, हॉस्पिटल संचालन और कन्या विवाह सहित महासभा गठन पर भी सहमति

रायपुर। लभांडी स्थित अग्रसेन धाम में अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय परिचय सम्मेलन के अंतिम दिन रविवार को अग्र मंथन के साथ ही परिचय सम्मेलन का सिलसिला सुबह 10 बजे से शुरू हुआ। इसकी अगवाई करते हुए अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने समाज के बीच दूसरे दिन भी परिचय सम्मेलन में युवक - युवतियों को मंच देने में सहभागिता निभाते हुए दूसरे राज्यों से आए प्रतिभागियों को पंजीयन का अवसर दिया। इसमें कुल 691 प्रतिभागियों का रजिस्ट्रेशन किया गया। इसमें बेटे-बेटियों की शादी के लिए प्रयासरत माता-पिता ने उनके लिए बेहतर जीवन साथी चुनने के लिए मिले अवसर का लाभ लिया। इसका समापन करने के बाद अग्र मंथन का क्रम शुरू हुआ।

बच्चों को संस्कारों से जोड़ें, बढ़ाएं एकजुटता

इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और पूर्व विधायक राजकमल सिंघानिया उपस्थित रहे। इनके बीच सांसद श्री अग्रवाल ने समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य और कन्या विवाह पर समाज प्रमुखों का ध्यान आकर्षित करते हुए प्रोत्साहित किया। उन्होंने समय के हिसाब से समाज में अब बच्चों को संस्कारों से जोड़ने पर भी बल दिया। साथ ही समाज को एकजुट होकर हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहने की बात कही। राजीव अग्रवाल ने समाज के लोगों की समाज के आयोजनों, संगठन एवं समाज में जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।

एकता, अखंडता को बनाए रखने में बनें सहभागी

प्रचार प्रभारी योगेश अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों और शहरों से आए लगभग 50 से अधिक अग्रवाल संगठनों के सदस्यों ने अपनी बात रखी। इसमें एकमत से सभी ने अग्रवाल समाज की एकता, अखंडता को बनाए रखने के लिए और बेहतर प्रयास करने की बात कही। अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने प्रदेशभर से आए संगठनों का आभार व्यक्त करते हुए अग्र मंथन को सफल बनाने में योगदान दिया। इस अवसर पर संरक्षक हनुमान अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, चतुर्भुज अग्रवाल सहित सैकड़ों की तादाद में समाज के लोग सहभागी बने।

समाज की परेशानियों पर विशेष चर्चा की गई

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने समाज के हर परिवार में कम से कम तीन बच्चों की आवश्यकता पर जोर दिया। बाहर से आए सभी सामाजिक प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विषयों पर बात रखी। इसमें एकांकी परिवार, समाज में बढ़ती मितव्ययिता, बच्चों की परिवार से दूरी, समाज की परेशानियों पर विशेष चर्चा की गई। सभी विषयों पर सकारात्मक चर्चा के बाद सकारात्मक पहल के लिए अपील की गई। महामंत्री मनमोहन अग्रवाल ने अग्रसेन भवन में शादी योग्य बच्चों का बायोडाटा सेंटर चालू करने की जानकारी दी। बताया कि प्रदेश के अग्रवाल समाज को बायोडाटा शुरू करने का प्रयास अब सभी जिलों में करना होगा।

सेहत

क्या आप भी 10 सीढ़ियां चढ़कर हांफने लगती हैं, तो अपनाएं ये उपाय

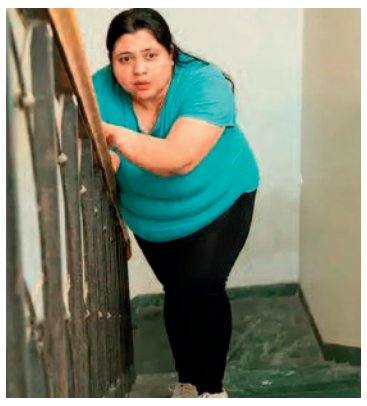

सीढ़ियां चढ़ते समय सांस फूलती है? इसके पीछे छिपे कारण और आसान, असरदार उपाय जानें। फेमस फिटनेस ट्रेनर और न्यूट्रिशनिस्ट सोनिया बख्शी बता रही हैं कि कैसे सही ट्रेनिंग और रोजमर्रा की अच्छी आदतों से स्टैमिना बढ़ाकर दिल और फेफड़ों की सेहत को अच्छा बनाया जा सकता है।

सीढ़ियां चढ़ना न सिर्फ एक अच्छी एक्सरसाइज है, बल्कि यह हमारे दिल और फेफड़ों के स्वास्थ्य का आईना भी है। अक्सर कई लोग थोड़ी सी सीढ़ियां चढ़ते ही बेहाल हो जाते हैं। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो घबराएं नहीं। इन्दिरापुरम (गाजियाबाद) की फेमस फिटनेस ट्रेनर और न्यूट्रिशनिस्ट सोनिया बख्शी इस विषय पर विस्तार से बता रही हैं। वह 2002 से 'डीटीएफ' के माध्यम से लोगों को फिट बना रही हैं। एक्सपर्ट के अनुसार, आपकी फिटनेस और स्टैमिना को सही ट्रेनिंग और आदतों से बदला जा सकता है। आइए सीढ़ियां चढ़ते समय सांस फूलने के कारण और उपायों के बारे में जानते हैं।

सीढ़ियां चढ़ते समय सांस क्यों फूलती है?

सीढ़ियां चढ़ना एक फिजिकल एक्टिविटी

है, जिसमें शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं। इसके मुख्य कारण निम्नलिखित हैं-

सीढ़ियां चढ़ने में बैठने की तुलना में 9 गुना ज्यादा ऊर्जा खर्च होती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस दौरान आपके दिल और फेफड़ों को शरीर के वजन को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर ले जाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इस क्रिया में आपके पैर की बड़ी मसल्स का एक्टिव रूप से इस्तेमाल होता है, जिसके लिए ऑक्सीजन की मांग बढ़ जाती है। अगर आप रेगुलर एक्सरसाइज नहीं करते हैं, तो स्टैमिना की कमी के कारण मामूली फिजिकल एक्टिविटी करने से भी सांस फूलने लगती है। दिल के रोगों, फेफड़ों की समस्या, हाई ब्लड प्रेशर या वातावरण में मौजूद धूल-मिट्टी इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं। नाक या मुंह में किसी प्रकार की रुकावट या बहुत सारी सीढ़ियां चढ़ने का तनाव भी सांस फूलने की प्रोसेस को तेज कर देता है। कई बार बहुत सारी सीढ़ियां चढ़ने का तनाव या चिंता भी सांस फूलने का कारण बनती है। सीढ़ियों पर चढ़ना आसान बनाने के लिए फिटनेस एक्सपर्ट शरीर के निचले हिस्से

को मजबूत करने और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने की सलाह देती हैं।

निचले शरीर की मजबूती

वॉकिंग से शुरुआत- पहले दो हफ्तों तक नॉर्मल वॉक से शरीर को तैयार करें। इंटरवल ट्रेनिंग- तीसरे हफ्ते से 1 मिनट चलें और फिर 10 सेकंड जॉगिंग करें। इसे अगले दो हफ्तों तक दोहराएं। धीरे-धीरे जॉगिंग का समय बढ़ाकर 20 सेकंड तक ले जाएं। स्क्वाट्स - रोजाना 20 स्क्वाट्स से शुरुआत करें और इसे धीरे-धीरे दो महीनों में 20-20 के तीन सेट तक ले जाएं। सूमो स्क्वाट्स- पैर की मसल्स को मजबूती देने के लिए इन्हें भी अपने वर्कआउट में शामिल करें।

कार्डियो और एरोबिक क्षमता

फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने के लिए एरोबिक एक्सरसाइज बेहद असरदार होती हैं। ब्रिस्क वॉकिंग और साइकिल चलाना। स्विमिंग या हाइकिंग जैसे कार्डियो एक्सरसाइज। जुंबा या एरोबिक्स क्लासेस। जिम में ट्रेडमिल या क्रॉस ट्रेनर का इस्तेमाल। आपके पैर की मसल्स जितनी मजबूत होंगी, आपका कार्डियोवैस्कुलर स्टैमिना उतना ही बेहतर होगा और सीढ़ियां चढ़ना उतना ही आसान हो जाएगा।

डॉक्टर से सलाह कब लें?

सीढ़ियां चढ़ते समय थोड़ी सांस फूलना नॉर्मल है, लेकिन यह कुछ कंडीशन में चेतावनी का संकेत होती हैं। यदि आप पूरी तरह से हांफने लगते हैं और सांस नॉर्मल होने में बहुत समय लगता है, तो इसे नजरअंदाज न करें।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े चिंताजनक

भारत में हर 20 में से एक व्यक्ति में बढ़ रही डिप्रेशन की शिकायत, हर वर्ग के लिए बन रहा खतरा

साल 2025 के डेटा से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर लगभग 30.4 करोड़ लोगों को प्रभावित करता है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के डेटा से पता चला है कि भारत में लगभग 20 में से एक भारतीय अवसाद से पीड़ित हो सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ी हैं। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिला हों या पुरुष सभी इसका शिकार देखे जा रहे हैं। काम के दवाब और पारिवारिक-सामाजिक कारणों के चलते स्ट्रेस-एंग्जाइटी की दिक्कत होना काफी आम है, गंभीर स्थितियों में ये डिप्रेशन (अवसाद) का भी कारण बन सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डिप्रेशन मानसिक बीमारी की गंभीर समस्या है जो आपके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। इसमें लगातार उदासी की भावना बनी रहती है और आप उन गतिविधियों में रुचि खो सकते हैं जिन्हें आप पहले पसंद किया करते थे। डिप्रेशन मेंटल हेल्थ की समस्या तो है ही पर इसका असर शारीरिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर रूप से हो सकता है।

साल 2025 के डेटा से पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर लगभग 30.4 करोड़ लोगों को प्रभावित करता है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण के डेटा से पता चला है कि भारत में लगभग 20 में

से एक भारतीय अवसाद से पीड़ित हो सकता है। कोविड महामारी के बाद से डिप्रेशन के मामलों में बढ़ोतरी हुई है।

महिलाओं में डिप्रेशन होने का खतरा अधिक

मेंटल हेल्थ की समस्याएं किसी को भी हो सकती हैं, हालांकि बड़ा सवाल ये है कि डिप्रेशन महिलाओं को ज्यादा होता है या फिर पुरुषों को?

इसे समझने के लिए लंदन में विशेषज्ञों की एक टीम ने विस्तृत अध्ययन किया। इसके निष्कर्ष बताते हैं कि लड़कियों में डिप्रेशन के मामले लड़कों की तुलना में दोगुना अधिक होते हैं। साल 2024 में इसी से संबंधित एक अन्य रिपोर्ट में सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ने बताया कि अनुमानित 53% किशोर लड़कियों ने उदासी या निराशा जैसे डिप्रेशन के लक्षणों की शिकायत की, जबकि ऐसी शिकायत वाले लड़कों का आंकड़ा केवल 28% था।

अध्ययन में क्या पता चला?

शोध की रिपोर्ट ये भी बताते हैं कि लड़कियों में आत्महत्या के विचार आने आशंका भी अधिक थी। पर लड़कियों-महिलाओं में डिप्रेशन का जोखिम अधिक क्यों होता है, किंग्स कॉलेज लंदन के विशेषज्ञों ने इसे भी समझने की कोशिश की।

इस अध्ययन में 15 वर्ष की आयु के 75 लड़कियां और 75 लड़कों को शामिल किया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन लड़कियों में न्यूरोप्रोटेक्टिव कंपाउंड्स का स्तर कम था उनमें डिप्रेशन होने का खतरा भी अधिक देखा गया, वहीं जिनमें इसका स्तर सामान्य था उनका मेंटल हेल्थ ज्यादा बेहतर देखा गया। हालांकि जब लड़कों में इसका आकलन किया गया तो उनमें ये अंतर नहीं दिखा।

न्यूरोप्रोटेक्टिव कंपाउंड्स ऐसे पदार्थ हैं जो न्यूरॉन्स को विभिन्न कारणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। ये मस्तिष्क को कोशिकाओं की भी रक्षा करते हैं, इस तरह से ये अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकते हैं। किंग्स कॉलेज लंदन में शोधकर्ता डॉ नागमेह निक्खेस्लात कहते हैं ब्रेन में सूजन को कम करने या न्यूरोप्रोटेक्टिव के उत्पादन को बढ़ावा देकर हम डिप्रेशन होने या इसके गंभीर रूप लेने के खतरों को कम कर सकते हैं। जिन लोगों के ब्रेन में न्यूरोटॉक्सिक एक्टिविटी अधिक होती है उनके लिए डिप्रेशन पर काबू पाना या इससे बाहर निकल पाना काफी कठिन हो सकता है।

ये स्थितियां भी बढ़ा सकती हैं डिप्रेशन का खतरा

महिलाओं में डिप्रेशन बढ़ने के लिए आनुवंशिकता के साथ पर्यावरणीय और मनोवैज्ञानिक कारक भी जिम्मेदार सकते हैं। इसके अलावा हार्मोनल उतार-चढ़ाव, तनावपूर्ण जीवन की घटनाएं और कई सामाजिक स्थितियां भी डिप्रेशन के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

आपकी रोज की ऐसी आदतें रिश्तों में ला सकती है मजबूती

रिश्तों की पहेली सुलझाना सभी के लिए चुनौती होती है। कई बार बहुत सी कोशिशों के बाद भी रिश्तों में तनाव दिखने लगता है। पार्टनर्स के बीच एक-दूसरे को लेकर शिकायतें घर करने लगती हैं। अगर समय पर न संभाला जाए तो कुछ गलतफहमियां आगे चलकर रिश्ता टूटने का कारण भी बन जाती हैं। ऐसे में, अक्सर मन में यह सवाल उठता है कि आखिर हम ऐसा क्या करें कि हमारा पार्टनर खुश रहे और हमारा रिश्ता भी मजबूत बना रहे। इसके लिए, आर्टेमिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व प्रमुख सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से हमने बातचीत की। उन्होंने बताया कि रिश्तों को मजबूत करना बहुत ही आसान होता है। तो चलिए आगे उनके बताए गए टिप्स को जान लेते हैं।

धारणा बनाने की जगह खुलकर करें बात

रिश्तों में खटास की शुरुआत तब होती है, जब हम किसी भी बात या घटना के बारे में अपने मन से ही कोई धारणा बनाकर निष्कर्ष निकाल लेते हैं। कभी भी और किसी भी स्थिति में यदि पार्टनर को लेकर कोई बात पता चले, तो अपने मन से निष्कर्ष न निकालें। हमेशा पार्टनर से उस बारे में साफ मन से बात करें। बात करते समय सामने वाले का पक्ष पूरी तरह सुनें। अपनी धारणा न थोपें। खुलकर बात करने से बहुत सी गलतफहमियां दूर होती हैं और रिश्ता मजबूत रहता है।

समय देना जरूरी

अगर आपसे सवाल किया जाए कि आज की भागमभाग भरी जिंदगी में सबसे ज्यादा कीमती क्या है, तो आपका जवाब होगा – समय। इसी के साथ हमें रिश्ते की कीमत भी समझनी चाहिए। कीमती रिश्ते को संभालने के लिए अपने कीमती समय का कुछ हिस्सा हमेशा एक-दूसरे के साथ खर्च करें। हर रोज किसी न किसी बहाने से अपने पार्टनर के लिए थोड़ा समय अवश्य निकालें।

घर का मुख्य द्वार बनाने से पहले इन बातों का रखें खास ध्यान, सुख-समृद्धि खुद देगी दस्तक

अगर आप भी नए घर का निर्माण करवा रहे हैं और चाहते हैं कि आपके घर का द्वार सिर्फ एक दरवाजा नहीं, बल्कि सौभाग्य का प्रवेश द्वार बने, तो इन वास्तु नियमों को जरूर अपनाएं। आइए जानते हैं।

दिशा का खास रखें ध्यान

घर का मुख्य द्वार कई ऊर्जाओं को घर में प्रवेश करने में सहायक होता है। ऐसे में अगर आप पूर्वमुखी है तो घर का प्रवेश द्वार उत्तर-पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए। ताकि मुख्य द्वार से सुबह की धूप सीधे आपके घर में प्रवेश करे। दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम दिश में मुख्य द्वार होने से बाधाएं आ सकती हैं, इसलिए इन्हें टालना चाहिए। सही दिशा से सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवाहित होती है, जबकि गलत दिशा से समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

द्वार का सही आकार

मुख्य द्वार का सही आकार और डिजाइन सकारात्मक ऊर्जा के संचार के लिए काफी जरूरी होता है। इसलिए आप भी दरवाजा बनवाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि दो पल्लों वाला द्वार शुभ माना जाता है, क्योंकि यह ऊर्जा के प्रवाह को बनाए रखता है। द्वार न तो बहुत बड़ा हो और न ही बहुत छोटा। बहुत छोटा द्वार सकारात्मक ऊर्जा को रोक सकता है, जबकि बहुत बड़ा द्वार असंतुलन पैदा कर सकता है।

स्वच्छता और सुंदरता

घर का मुख्य द्वार साफ और सजा हुआ होना

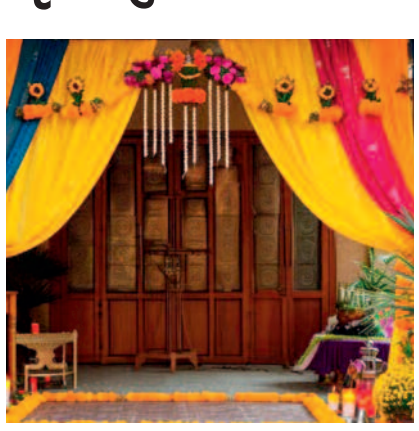

चाहिए। ऐसा करने से यह घर में सुख-समृद्धि को आमंत्रित करता है, जबकि गंदा या अव्यवस्थित द्वार नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है। ऐसे में आप मुख्य द्वार और उसके आसपास हमेशा साफ-सफाई बनाए रखें। रंगोली, तोरण (आम या अशोक के पत्तों की माला) और सजावट से द्वार को आकर्षक बनाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

कौन-सा रंग चुने?

मुख्य द्वार का रंग घर की ऊर्जा पर गहरा प्रभाव डालता है। सही रंग घर में सुख-समृद्धि को आकर्षित कर सकते हैं। इसलिए आप क्रीम, हल्का पीला, हल्का नीला, हरा या सफेद जैसे हल्के रंग चुन सकते हैं। काले रंग से बचें, क्योंकि यह नकारात्मकता को आमंत्रित कर सकता है।

रात के खाने में कुछ हल्का बनाना है तो झटपट तैयार करें वेजिटेबल दलिया

वेजिटेबल दलिया एक हेल्दी, हल्का और स्वादिष्ट डिश है, जो पचाने में आसान और पोषण से भरपूर होती है। इसे नाश्ते या रात के हल्के खाने के रूप में बनाया जा सकता है। दलिया बनाने के लिए सबसे पहले एक कड़ाही में 1 चम्मच घी डालें और उसमें दलिया डालकर हल्का सुनहरा होने तक भून लें। इससे दलिया ज्यादा स्वादिष्ट और खुशबूदार बनेगा। जब ये अच्छी तरह से भुन जाए तो इसे भूनने के बाद एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब बारी आती है तड़का लगाने की। तड़का लगाने के लिए उसी कड़ाही में थोड़ा और घी डालें, फिर जीरा डालें और हल्का भूनें। इसके बाद अब इसमें कटा हुआ प्याज डालकर हल्का गुलाबी होने तक भूनें। टमाटर, गाजर, मटर, शिमला मिर्च डालें और 2-3 मिनट तक चलाएं। हल्दी, नमक, लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। अब भुना हुआ दलिया डालें और तीन कप पानी डालकर अच्छे से मिलाएं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'मार्वल' की 'द पनिशर वन लास्ट किल' आएगी मई में, फ्रैंक की होगी वापसी

मार्वल टेलीविजन की खास पेशकश 'द पनिशरः वन लास्ट किल' की हाल ही में रिलीज डेट की घोषणा की गई है। इस सीरीज में फ्रैंक कैसल अपनी भूमिका में वापसी करेंगे। मार्वल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी सीरीज 'द पनिशर वन लास्ट किल' का एक पोस्टर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में इसकी रिलीज डेट की घोषणा करते हुए लिखा कि इस सीरीज में फ्रैंक कैसल की वापसी होगी। इसके साथ ही उन्होंने लिखा की मार्वल टेलीविजन स्पेशल प्रेजेंटेशन 'द पनिशरः वन लास्ट किल' 2 मई को केवल डिज्नी प्लस पर स्ट्रीम होगी। जॉन बर्न्थल एक बार फिर फ्रैंक कैसल यानी 'द पनिशर' के रोल में वापस आ रहे हैं। पिछले साल डिज्नी प्लस की सीरीज 'डेयरडेविलः बॉर्न अगेन' में उन्होंने इस किरदार को दोहराया था। अब वह 'द पनिशरः वन लास्ट किल' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। बर्न्थल इस स्पेशल प्रेजेंटेशन के सह-लेखक भी हैं।

'द पनिशर' मूल रूप से मार्वल कॉमिक्स के किरदार फ्रैंक कैसल पर आधारित है, जो अपने परिवार की हत्या का बदला लेने के लिए अपराधियों के खिलाफ बहुत खतरनाक तरीके से लड़ता है। अब फ्रैंक कैसल की कहानी को एक नई स्पेशल सीरीज के रूप में जारी किया जा रहा है, जिसका नाम है 'द पनिशरः वन लास्ट किल'। नेटफ्लिक्स ने 2019 में इसे बंद कर दिया था। बाद में डिज्नी ने अधिकार वापस ले लिए और 2022 से यह सीरीज डिज्नी प्लस पर उपलब्ध है। फ्रैंक कैसल एक पूर्व मरीन सैनिक हैं। अपने परिवार की हत्या के बाद वे 'द पनिशर' बन जाता है और अपराधियों को सजा देते हैं।

टॉलीवुड

राजामौली की 'वाराणसी' दो भागों में हो सकती है रिलीज, जानिए पूरा सच

'धुरंधर' और 'धुरंधर द रिवेंज' की बड़ी सफलता के बाद अब फिल्म निर्माता एस एस राजा मौली अपनी नई फिल्म 'वाराणसी' को दो भागों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद अब फैंस फिल्म 'रामायण' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के अलावा एक और फिल्म है, जिसकी रिलीज पर फैंस की निगाहें टिकी हुई हैं। वह फिल्म राजामौली की 'वाराणसी' है। जानिए क्या 'धुरंधर' और 'रामायण' की तरह ही 'वाराणसी' भी दो भागों में बनेगी?

पहले राजामौली ने 'वाराणसी' को दो भागों में बनाने की खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया था। लेकिन अब बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'वाराणसी' दो भागों में रिलीज हो सकती है। दरअसल, फिल्म की कहानी इतनी लंबी है कि तीन घंटे से ज्यादा समय में भी पूरी नहीं हो पाएगी। इसलिए इसे दो भागों में बनाने का विचार किया जा रहा है। 'धुरंधर' की तरह 'वाराणसी' भी दो भागों में रिलीज होगी।

फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म समय यात्रा पर आधारित है। इसका बजट 1300 करोड़ रुपये से भी ज्यादा बताया जा रहा है। यह भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होगी। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलज होगी। 'धुरंधर 2' अब तक बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है। वहीं राजामौली की आगामी 'रामायण' फिल्म का पहला भाग दिवाली 2026 में और दूसरा भाग दिवाली 2027 में रिलीज होने वाला है। वहीं अब 'वाराणसी' आखिरकार दो भागों में रिलीज होगी या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है।

भोजपुरी

शो में डांसर को भीड़ में फेंकने पर ट्रोल हुए धनंजय, बवाल के बाद दी सफाई

बिहार के मुजफ्फरपुर में एक स्टेज शो के दौरान भोजपुरी सिंगर धनंजय शर्मा का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में वो एक महिला डांसर को उठाकर भीड़ की तरफ फेंकते नजर आ रहे हैं, जिसके बाद इंटरनेट पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सिंगर ने अपनी सफाई भी दी है, जिसमें उन्होंने खुद के साथ बदसलूकी होने का आरोप भी लगाया है। भोजपुरी इंडस्ट्री किसी न किसी तरह से लोगों के बीच चर्चा में बनी रहती है, लेकिन अक्सर चर्चा कॉन्ट्रोवर्शियल ही होती है। ऐसी ही एक चर्चा हाल ही में शुरू हुई, जिसमें एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक लाइव स्टेज शो के दौरान हुई घटना ने लोगों को हैरान कर दिया और अब इस पर लगातार बहस छिड़ी हुई है। मामला भोजपुरी सिंगर धनंजय शर्मा से जुड़ा है, जिनकी एक हरकत को लेकर इंटरनेट पर लोग काफी नाराज नजर आ रहे हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक शादी समारोह के दौरान स्टेज शो ऑर्गेनाइज किया गया था, जिसमें धनंजय शर्मा अपनी टीम के साथ परफॉर्म कर रहे थे। इवेंट के दौरान गाने और डांस का माहौल बना हुआ था जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग गौजूद थे। इसी दौरान स्टेज पर कई महिला डांसर गाने पर डांस कर रही थी। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सिंगर अचानक डांसर के पास पहुंचते हैं और उसे उठाकर सीधे स्टेज से नीचे मौजूद भीड़ की तरफ फेंक देते हैं।

फ़ास्ट फ़ैशन का असर

लाइफ स्टाइल

एक स्टडी से पता चला है कि सिर्फ़ यूनाइटेड किंगडम में ही, लोगों की अलमारियों में लगभग 30 बिलियन (43।5 बिलियन फ़्रैंक) के ऐसे कपड़े करीने से टंगे हुए हैं जिन्हें उन्होंने कभी पहना ही नहीं। 'फ़ास्ट फ़ैशन' की इस हद से ज़्यादा खपत की वजह से, हर साल लगभग 140 मिलियन (मोटे तौर पर 200 मिलियन फ़्रैंक) के कपड़े कूड़े के ढेर में फेंक दिए जाते हैं।

रसोई की इन चीजों से हटाएं अपर लिप्स के बाल, पार्लर जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

महिलाएं अपर लिप्स पर आए अनचाहे छोटे बालों से छुटकारा पाने के लिए पार्लर जाती हैं और हेयर रिमूवल क्रीम, थ्रेडिंग, ब्लीच, वैक्सिंग या अन्य कई तरीके अपनाती हैं। हालांकि यह स्थाई तरीका नहीं है, कुछ दिन बार फिर चेहरे पर बाल नजर आने लगते हैं। कई बार तो महिलाओं के कामकाज में व्यस्तता के कारण पार्लर जाने का समय नहीं मिल पाता। ऐसे में आप घर पर ही अपर लिप्स के बाल आसानी से हटा सकती हैं।

यहां अपर लिप्स के बालों से छुटकारा पाने के कुछ घरेलू उपाय बताए जा रहे हैं। किचन में इस्तेमाल होने वाली चीजों से अपर लिप्स के बालों से छुटकारा पाया जा सकता है।

आलू का रस

अनचाहे बालों से चेहरे की खूबसूरती को कम होने से बचाने के लिए ब्लीचिंग क्रीम के तौर पर आलू के रस का उपयोग करें। आलू को काटकर मिक्सी में पीस लें। इस पेस्ट को कपड़े में डालकर अच्छी तरह से निचोड़कर रस निकाल लें। रात में सोने से पहले आलू का रस लगाएं और रात भर लगा रहने दें। सुबह चेहरा धो लें। इस प्रक्रिया को कम से कम तीन बार दोहराएं।

आटा, हल्दी और दूध

अनचाहे बालों को हटाने के लिए एक बड़ा चम्मच गेहूं का आटा, एक चम्मच कच्चा दूध और चुटकी भर हल्दी को मिलाकर उबटन बना लें। इसे अपर लिप्स पर लगाकर सूखने दें। बाद में पानी से धो लें। इस पैक को हफ्ते में तीन-चार तीन दोहराएं।

दूध और हल्दी

दूध और हल्दी बहुत काम के होते हैं। एक चम्मच दूध में एक चम्मच हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को अप्पर लिप्स पर लगाकर सूखने दें। फिर ठंडे पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में तीन बार करें। इससे अपर लिप्स पर बाल नहीं नजर आते हैं और त्वचा साफ व चमकदार दिखने लगती है।

चीनी

अपर लिप्स के बालों को हटाने के लिए चीनी का उपयोग कर सकते हैं। पैन में एक बड़ा चम्मच चीनी और नींबू का रस मिलाकर गाढ़ी होने तक चलाएं। अब इसे अपर लिप्स पर लगा लें। ध्यान रखें कि यह बहुत अधिक गर्म न हो। 15 मिनट तक अपर लिप्स पर चीनी का पेस्ट सूखने दें, फिर पानी से धो लें।

साड़ी को कीजिए कुछ ऐसे ढंग से स्टाइल, लोग करेंगे वाह-वाह

साड़ियां भारतीय परिधान में सर्वोपरि मानी जाती है। महिलाएं साड़ियों को अलग-अलग तरीके से पहनती हैं। इन दिनों त्यौहारों के साथ-साथ अलग-अलग अवसरों पर पार्टियों का भी है। ऐसे में आप चाहें तो साड़ियां पहनने कुछ सेलिब्रेटीज के अंदाज से भी सीख सकती हैं। आलिया भट्ट का साड़ी कलेक्शन बेहद खूबसूरत है। वैसे तो अभिनेत्री अधिकतर वेस्टर्न आउटफिट में नजर आती हैं लेकिन किसी इवेंट या फिल्म प्रमोशन के दौरान आलिया भट्ट की खूबसूरत साड़ियों का कलेक्शन देखने को मिलता है। आलिया की यह पीली साड़ी त्योहार के मौके पर काफी सुंदर लुक दे सकती है। नेट एम्ब्रायडरी वाली इस साड़ी से खुद को स्टाइल कर सकती हैं।

हल्की और सिंपल स्टाइल साड़ी में क्लासी लुक चाहिए तो पूजा हेगड़े की इस साड़ी से कुछ आइडिया ले सकते हैं। गर्मी का मौसम है, ऐसे में इस तरह के रंगों का चयन आंखों को सुकून देने वाला और सहज होगा। कलर के साथ ही साड़ी के प्रिंट का चयन भी अपने बॉडी शेप के मुताबिक करें।

टीवी अभिनेत्री करिश्मा तन्ना के पास भी साड़ियों का शानदार कलेक्शन है। खास मौके पर उनकी ऑर्गेंजा साड़ी को अपना सकती हैं। वहीं इस तरह की प्रिंटेड साड़ी से भी पार्टी के मौके पर खुद को तैयार कर सकते हैं। शिल्पा शेट्टी की साड़ी कलेक्शन और डिजाइन दोनों ही काफी यूनिक होता है। उनकी साड़ियों को शादी पार्टी से लेकर ऑफिस आदि में भी पहन सकते हैं। शिल्पा की यह साड़ी शादियों और पार्टियों में आकर्षक लगेगी।

अगर आप भी साड़ी में स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं, तो आइए जानें 5 आसान टिप्स, जो आपके लिए बेहद मददगार साबित हो सकते हैं।

15 मिनट में घर पर करें नेल आर्ट, हाथों के नाखून दिखेंगे सुंदर

हम सभी चाहते हैं हमारे हाथ और नाखून सुंदर नजर आएं। आप चाहें तो इन्हें घर पर भी कर सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि कई सारे डिजाइन होते हैं जो 15 मिनट में बन जाते हैं। जानते हैं किन डिजाइन को आप ट्राई कर सकती हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट

अगर आपको नए डिजाइन से नेल आर्ट करनी है तो इसके लिए आप ग्लिटर नेल आर्ट करा सकती हैं। यह 15 मिनट में जो जाती है। इसके लिए आपको एक टेप लेनी है। इसके बाद इसे अपने नाखूनों पर तिकोना करके लगानी है। फिर इसके एक तरह मैट कलर को इस्तेमाल करना है और दूसरी तरफ ग्लिटर कलर को लगाना है। इस तरीके से आपका नेल आर्ट हो जाएगा।

सिंपल नेल आर्ट

अगर आप किसी पार्टी में जानें के लिए लेट हो रही हैं और नेल आर्ट कराने का समय नहीं मिला है तो ऐसे में आप घर पर इसे 15 मिनट में कर सकतीहैं। इसके लिए आपको दो अलग-अलग कलर लेने हैं। इसके बाद 3 उंगली के नाखूनों पर एक कलर को लगाना है और 2 पर किसी और कलर को लगाना है। आप चाहें तो एक बीच में लाइन खींचकर साइड में दूसरे कलर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। साथ में एक पतली स्टिक की मदद से जिक जैक पैटर्न क्रिएट कर सकती हैं। इस तरीके से आप घर पर ही नेल आर्ट कर सकती हैं।

फ्रेंच नेल आर्ट

नेल आर्ट में काफी सारे डिजाइन आपको स्टूडियो में देखने को मिल जाएंगे। लेकिन इन्हें कराने से पहले जब रेट पूछते हैं तो करने का मन नहीं करता है।

खूब जचेंगे लाल-हरी चूड़ियों के ये नए सेट, देखें डिजाइंस

अपने हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप लाल-हरे रंग की चूड़ियों को हथेली पर सजा सकती हैं। देखते हैं इनके कुछ नए और खूबसूरत डिजाइंस। साथ ही, बताएंगे इन चूड़ियों के सेट बनाने के कुछ आसान टिप्स-

गोल्डन और ग्रीन चूड़ी डिजाइन

गोल्डन के साथ वैसे तो कई अलग-अलग रंगों की चूड़ियों को पहना जा सकता है। नवरात्रि के लिए ग्रीन कलर लगभग सब तरह के कपड़ों के साथ खूबसूरत लुक देने में मदद करता है। वहीं इनके साथ आप पतली वाली गोल्डन कलर की चूड़ियों को मिलाकर सेट बना सकती हैं। साथ ही, फैंसी लुक के लिए आप कंगन भी शामिल कर सकती हैं।

लाल और पीली चूड़ी डिजाइन

लाल के साथ हरे रंग के आलावा पीला रंग भी काफी खूबसूरत कलर कंट्रास्ट बनाने में मदद करता है। इस तरह में आप चाहे तो हरे रंग को भी शामिल कर सकती हैं। इन तीनों रंगों को मिलाकर चूड़ी का सेट बना सकती हैं। साथ ही बीच में चौड़े साइज का कंगन भी आप पहन सकती हैं। इसमें आपको मिरर वर्क और स्टोन डिजाइन के अलावा ग्लिटर में भी चूड़ियों और कंगन के काफी डिजाइंस मिल जाएंगे।

मिरर वर्क चूड़ी डिजाइन सेट

मिरर वर्क को आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। फैंसी और हैवी डिजाइन की चूड़ियों को आप प्लेन कपड़ों के साथ में पहन सकती हैं। इसमें आप चाहे तो कपड़ों के कलर के हिसाब से अलग-अलग रंग भी चुन सकती हैं। इसके अलावा आप चाहे तो एक ही रंग की 24 चूड़ियों को एक हाथ की कलाई पर सजा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

आत्मविश्वास, आराम और बेहतरीन लुक आपको मिलेगा ड्रेसिंग टिप्स अपनाने से

जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग के लिए अपनाएं जरूरी टिप्स, स्टाइलिश और मिनिमल लुक पाइए

आप जब भी बाहर निकलते होंगे तो ड्रेसिंग से आपको भी यही चाहिए होता होगा। है न।।यही सब कुछ महिलाओं को अपने फैशन स्टाइल से भी चाहिए होता है। लेकिन बात ऐसे फैशन की हो जो न सिर्फ पुरुषों के लिए हो और न ही सिर्फ महिलाओं के लिए बल्कि ये तो ऐसा फैशन हो जो जेंडर न्यूट्रल हो। तो क्या होगा।।।तो भी आत्मविश्वास, आराम और बेहतरीन लुक बराबर मिलेगा। पक्की बात है, मगर कुछ खास टिप्स आजमाने के बाद।

जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग ऐसी होती है जो किसी एक जेंडर को नहीं दिखाती है। बल्कि इसे किसी भी जेंडर के फैशन में शामिल किया जा सकता है। इसको आजमाने का आपने भी इरादा किया है तो खास टिप्स जान लीजिए-

सफेद शर्ट सबकी फेवरेट

सफेद शर्ट के साथ जींस आपने कई बार पहनी होगी। लेकिन क्या कभी सोचा है कि ये लुक जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग का ही हिस्सा है। सफेद शर्ट किसी भी बॉटम पर चल जाती है और अच्छी भी सभी पर लगती है। अगर आपको थोड़ा स्टाइलिश लगना है तो इसके ऊपर के दो चार बटन खोले भी जा सकते हैं।

जेंडर न्यूट्रल एसेसरीज

जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग के लिए आप एसेसरीज का सहारा भी ले सकते हैं। ये वो एसेसरीज हैं जो किसी भी जेंडर की ड्रेसिंग में आराम से शामिल हो जाते है। इन एसेसरीज में सस्पेंडर,बेसबॉल कैप,स्कार्फ,बेल्ट,जैकेट के लिए पिन, टाई और सनग्लासेस को पहचान लीजिए।

ब्लेजर हैं बेस्ट

ब्लेजर ऐसा पहनावा हैं जो किसी भी ड्रेसिंग में आराम से शामिल हो जाते हैं। ये किसी भी लुक को बेहतर करने में मदद भी करते हैं। इसलिए अगर आप जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग कर रहे हैं तो एक अच्छा डार्क कलर का ब्लेजर आप पर बहुत अच्छा लगेगा।

डबल स्लीव्स वाला फैशन

कुछ साल पहले तक ये फैशन काफी इन था। इसमें फुल स्लीव की टीशर्ट के ऊपर हाफ स्लीव टी शर्ट पहनी जाती थी। इसके साथ कार्गो का ढीला ढाला लुक काफी अच्छा लगता था। ये पूरा लुक भी जेंडर न्यूट्रल लुक है। इसको आप पहनिए और जेंडर न्यूट्रल ड्रेसिंग अपनाइए। इसमें कोशिश कीजिए दोनों में से एक टी शर्ट डार्क कलर की तो एक टी शर्ट हलके रंग की हो। नीचे वाली हलके रंग में अच्छी लगेगी।

ग्राफिक जींस भी तो हैं न

ग्राफिक जींस भी ऐसी होती हैं जो हर जेंडर पर सूट करती हैं। इसको कई बार लोग थोड़ी ढीली पहनते हैं और इसके साथ स्किनी जींस से लुक पूरा करते हैं। लेकिन ये टी शर्ट स्ट्रेट जींस के साथ भी बेहतरीन लगती हैं। लेकिन हां, इन टी शर्ट के साथ ब्लू जींस पहनकर आप ऊब चुके हैं तो आप ग्रे जींस भी चुन सकते हैं। ग्रे जींस के साथ हलके रंग की टी शर्ट ही नहीं डार्क कलर की टीशर्ट भी अच्छी लगती हैं। ग्राफिक का लुक आप खुद ही चुन सकते हैं। इस लुक पर फ्लोरोसेंट कलर वाली टीशर्ट भी अच्छी लगती हैं। इसलिए अगर अभी तक आप इन रंगों को पहनने से बचते थे तो अब ऐसा न कीजिए।